सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 113 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 5 फरवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने पांच लोकसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त किए पर्यवेक्षक

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में भाजपा ने लोकसभा की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में भाजपा ने 5 लोकसभा क्षेत्रों के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देशानुसार प्रदेश महामंत्री पवन साय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

जारी आदेश के अनुसार कोरबा लोकसभा क्षेत्र में विधायक पुन्नूलाल मोहले, भूपेंद्र सवन्नी, सौरभ सिंह, बस्तर लोकसभा क्षेत्र के लिए मधुसूदन यादव, रजनीश सिंह और निरंजन सिंह पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। इसी प्रकार सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के लिए धरमलाल कौशिक, भैयालाल राजवाड़े और चंपा देवी पावले, बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए शिवरतन शर्मा, कृष्णा राय, लक्ष्मी वर्मा, रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के लिए गौरीशंकर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, सरला कोसरिया पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा इसके साथ ही भाजपा ने जशपुर जिले के लिए पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए अनुराग सिंहदेव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

### बजट में टेक्नोलॉजी और रोजगार पर रहेगा खास फोकस : ओपी चौधरी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ का बजट तैयार करने का जिम्मा वित्त मंत्री ओपी चौधरी पर है।

पिछली बार सरकार में रहते हुए भूपेश बघेल ने बतौर वित्त मंत्री 1 लाख 21 हजार 500 करोड़ का बजट पेश किया था। चौधरी इस प्रेशर में हैं कि बजट का आकार भी बढ़े, लोगों को सुविधाएं मिलें और प्रदेश में वो विकास होता बीजेपी की सरकार दिखा पाए जो न कर पाने के सियासी आरोप कांग्रेस सरकार पर लगते रहे हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को दिवालियापन की कगार पर ला खड़ा किया है। ऐसी चुनौतियों के बीच हमारी सरकार नया बजट लेकर आ रही है। इसमें मोदी जी की गारंटी, बड़ी प्राथमिकता के रूप में सामने आएगी। टेक्नोलॉजी ड्रिवन गवर्नेंस पर फोकस और पारदर्शी व्यवस्था लागू करते हुए आय बढ़ाएंगे। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि ये बजट छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाई पर ले जाने वाला बजट होगा।

# महतारी वंदन योजना : विवाह प्रमाण पत्र की जगह स्वघोषित शपथ पत्र होगा मान्य

## महिला एवं बाल विकास विभाग ने किया स्पष्ट, मोबाइल नम्बर नहीं होने पर राशन कार्ड की छायाप्रति कर सकते हैं जमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** महतारी वंदन योजना को लेकर जो सबसे बड़ी धुविधा थी उसे सरकार ने दूर कर दी है। योजना के लिए अनिवार्य शर्तों में विवाह प्रमाण पत्र भी शामिल था। इसके कारण लोगों में यह दुविधा थी कि विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र कहां से लाएं, क्योंकि अधिकतर लोगों के पास विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र नहीं होता। अब सरकार ने इसकी दुविधा खत्म करते हुए इसके स्थान पर स्व घोषित शपथ पत्र प्रस्तुत करने कहा है। महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए पात्र महिलाएं ऑनलाईन पोर्टल https//www.mahtarivandan.cgstate.gov.in तथा मोबाईल एप के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं।

बता दें महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन जमा करने की शुरुआत सोमवार से हो चुकी है। 20 फरवरी तक योजना के आवेदन जमा करना अनिवार्य है। 1 मार्च तक हितग्राहियों की सूची तैयार हो जाएगी और 8 मार्च से हितग्राहियों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। महतारी वंदन योजना 1 मार्च 2024 से लागू की जाएगी। योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य की स्थानीय निवासी एवं विवाहित महिला पात्र होगें। आवेदन के कैलेण्डर वर्ष अर्थात् जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा है, उस वर्ष की 1 जनवरी को

विवाहित महिला की आयु 21 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता महिला भी योजना के लिए पात्र होंगी। योजनांतर्गत पात्र महिला को प्रतिमाह 1000 रूपए का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा।

### यह दस्तावेज हैं अनिवार्य

महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए स्व सत्यापित स्वयं की पासपोर्ट साईज फोटो, स्थानीय निवासी के संबंध में निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र दस्तावेज, स्वयं का एवं पति का आधार कार्ड, यदि हो तो स्वयं का एवं पति का पैन कार्ड, विवाह का प्रमाण पत्र (स्वघोषित शपथ पत्र), ग्राम पंचायत व स्थानीय निकायों द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी। विधवा होने की स्थिति में पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, परित्यक्ता होने की स्थिति में समाज द्वारा जारी, वार्ड, ग्राम पंचायत द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। जन्म प्रमाण पत्र कक्षा 10वीं या 12वीं की अंकसूची या स्थानांतरण प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस से कोई एक प्रस्तुत करना होगा। पात्र हितग्राही का बैंक खाते का विवरण एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति तथा स्व-घोषणा पत्र, शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा।

### विवाह प्रमाण पत्र की जगह दे सकते हैं शपथ पत्र

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि महिला के विवाहित होने के संबंध में यदि उनके पास दस्तावेज उपलब्ध न हो तो वह अपना स्वघोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर सकती है। इस संबंध में सभी कलेक्टरों सहित सर्वसंबंधितों को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार यदि महिला हितग्राही के पास मोबाइल नम्बर नहीं है तो इसके स्थान पर हितग्राही के द्वारा राशन कार्ड की छायाप्रति आवेदन पत्र के साथ अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर सकती है। गौरतलब है कि महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए विवाहित महिला को विवाह प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, निवास प्रमाण, ग्राम पंचायत या वार्ड पार्षद द्वारा जारी प्रमाण पत्र को शामिल किया गया है।

### ऐसे कर सकते हैं आवेदन

महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए पात्र महिलाएं ऑनलाईन पोर्टल तथा मोबाईल एप के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। इसके अलावा आंगनबाड़ी केन्द्र, ग्राम पंचायत सचिव (ग्राम प्रभारी), बाल विकास परियोजना कार्यालय एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी के लॉगिन आईडी से आवेदन किया जा सकता है। आवेदन पत्र भरने की सम्पूर्ण प्रक्रिया निःशुल्क होगी। आवेदन प्रपत्र ग्राम पंचायत, वार्ड कार्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र, परियोजना कार्यालय तथा जिले द्वारा आयोजित विशेष कैम्प में उपलब्ध होंगे। प्राप्त आवेदनों की प्रविष्टि ग्राम पंचायत, वार्ड कार्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र, परियोजना कार्यालय तथा जिले द्वारा आयोजित विशेष कैम्प में कैम्प प्रभारी द्वारा ऑनलाईन की जाएगी। प्रत्येक आवेदन की प्री प्रिंटेड पावती दी जाएगी, यह पावती पोर्टल एप से सीधे एसएमएस द्वारा भी हितग्राही को प्राप्त होगी। निर्धारित तिथि तक आवेदन प्राप्त होने के पश्चात अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

## गिरफ्तारी के खिलाफ हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन की याचिका पर ईडी से मांगा जवाब

### ■ अब 12 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

**रांची।** प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले में ईडी से नौ फरवरी तक जवाब दाखिल करने को कहा है। उच्च न्यायालय अब इस मामले में 12 फरवरी को अगली सुनवाई करेगा।

गौरतलब है कि हेमंत सोरेन ने गिरफ्तारी के खिलाफपहले ही झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। बाद में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जहां से उन्हें झटका लगा था। सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें हाईकोर्ट जाने को कहा था। इसके बाद अब झारखंड हाईकोर्ट ने मामले में ईडी से जवाब मांगा है।

### सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली थी राहत

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने धन शोधन मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर

दिया। हेमंत सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय की ओर से की गई उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। जस्टिस संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने शुक्रवार को सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी से हाईकोर्ट जाने को कहा।

### सात घंटे की पूछताछ के बाद किया गया था गिरफ्तार

इससे पहले ईडी ने बुधवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सात घंटे की पूछताछ के बाद झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले सोरेन को ईडी की हिरासत में राज्यपाल से मिलकर सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हेमंत सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय की ओर से की गई उनकी गिरफ्तारी को ही चुनौती दी थी।

## छत्तीसगढ़ का बजट सत्र : राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने गिनाई साय सरकार की उपलब्धियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा में बजट पेश होने से पहले राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने 6वीं विधानसभा के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार सुशासन का नया दौर प्रारंभ करने के लिए संकल्पबद्ध है। यह खुशी की बात है कि सरकार ने जनता से किए वायदे पूरे करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इसके चलते राज्य में न्याय, राहत और विकास का नया दौर शुरू हुआ है।

राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने पुलिस बल को अपने कर्तव्य निर्वहन हेतु सशक्त बनाने के लिए एक ओर उन्हें नई सुविधाओं से सुसज्जित करने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी ओर उनकी समस्याओं के समाधान हेतु मानवीय दृष्टिकोण से संवेदनशील कदम भी उठाए हैं। बल के आधुनिकीकरण पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 5 शक्ति पीठों-कुदरगढ़, चन्द्रपुर, रतनपुर, दंतेवाड़ा तथा डोंगरगढ़ को 4 धाम की तर्ज पर विकसित करने की कार्ययोजना बनाई जा रही है। राज्यपाल ने पर्यटन विकास, राजिम कुम्भ व रामलला दर्शन योजना का भी जिक्र किया। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश की सरकार ने कम समय में अच्छा काम किया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश की सरकार जनजाति उत्थान के लिए बेहतर काम करेगी।

महामहिम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई सरकार योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित लगभग 18 लाख हितग्राहियों को पक्के आवास उपलब्ध कराने का निर्णय कैबिनेट की पहली बैठक में लिया गया। इससे ग्रामीण अंचलों में आवासहीन परिवारों को नया जीवन मिलेगा। वहीं सरकार घर-घर निर्मल जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन के कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने हेतु अग्रसर हुई है। सुदृढ़ पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से गांवों में गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना के साथ ही आजीविका के नए साधन पहुंचाने के लिए मेरी सरकार संकल्पबद्ध है। इससे प्रदेश के गांव आर्थिक स्वावलंबन, पारंपरिक सम्मान और सामाजिक चेतना के नए शक्ति केन्द्र बनेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। 'वन नेशन वन राशन कार्ड' योजना, 'ई-पॉस मशीन' के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सरकार ने 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के अंतर्गत दिसम्बर 2028 तक निःशुल्क चावल देने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ में इस योजना से 67 लाख 94 हजार अंत्योदय, प्राथमिकता, एकल निराश्रित एवं निःशक्तजन राशन कार्डधारियों को मासिक पात्रता का चावल दिया जाएगा। महिलाओं का जीवन आसान बनाने में 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' की बड़ी भूमिका रही है। इसके अंतर्गत प्रदेश में अब तक 36 लाख से अधिक नवीन गैस कनेक्शन जारी किए गए हैं। यह सुविधा भी शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाई जाएगी।

# राज्यसभा के लिए नए चेहरों को प्राथमिकता

### ■ सरोज को रिपीट करने पर संशय, लोकसभा लड़वाने की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। राज्यसभा की खाली हो रही 56 सीटों को लेकर भाजपा के पत्ते खुलते दिख रहे हैं। पार्टी ने यह तय कर लिया है कि उसके जिन 29 सांसदों का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है, उनमें से ज्यादातर को रिपीट नहीं किया जाएगा। बल्कि इनमें से ज्यादातर को लोकसभा की टिकट थमाई जाएगी। छत्तीसगढ़ में सिर्फ एक सीट खाली हो रही है, जिसका नेतृत्व वर्तमान में सरोज पाण्डेय कर रही हैं। उन्हें रिपीट करने को लेकर पार्टी नेताओं में संशय है। संगठन के कतिपय नेताओं का मानना है कि आलाकमान सरोज पाण्डेय को लोकसभा का चुनाव लड़वा सकता है। सुश्री पाण्डेय दुर्ग लोकसभा क्षेत्र से पहले भी सांसद रह चुकीं हैं। हालांकि जातीय समीकरणों को प्राथमिकता दे रही भाजपा के लिए पिछड़ा वर्ग बाहुल्य इस सीट पर सामान्य वर्ग को उतारना आसान नहीं होगा। वैसे, खबर यह भी है कि सरोज का नाम राज्य के एक अन्य सीट से भी चल रहा है।

देश भर की 56 राज्यसभा सीटों पर अप्रैल में चुनाव होना है और उससे पहले 15 फरवरी उम्मीदवारों के ऐलान की आखिरी तारीख है। इस बीच भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए रणनीति तैयार कर ली है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि संगठन में महामंत्री जैसे अहम पदों पर काम करने वाले कई नेताओं को राज्यसभा भेजा जाएगा। इसके अलावा ऐसे कई केंद्रीय मंत्रियों को दोबारा मौका नहीं मिलेगा, जो अब तक राज्यसभा में थे। इन नेताओं को लोकसभा चुनाव में उतारा जा सकता है। यही नहीं ऐसे

नेताओं से यह भी कहा गया है कि वे अपनी पसंद की दो लोकसभा सीटों के नाम बताएं। माना जा रहा है कि उन सीटों में से ही किसी एक से उनको उतारा जा सकता है। इन नेताओं में से ज्यादातर लोगों ने शहरी सीटों को ही चुना है, जो दिल्ली या बेंगलुरु में आती हैं। इस साल कुल 68 राज्यसभा सांसद रिटायर हो रहे है, जिनमें 9 केंद्रीय मंत्री और 4 नामित सदस्य शामिल हैं। अप्रैल में कुल 56 सीटों पर इलेक्शन होने जा रहा है और इनके लिए उम्मीदवारों के ऐलान की आखिरी तारीख 15 फरवरी है। इन 56 सीटों में से अभी 29 पर भाजपा के ही सांसद थे, जिनमें से एक पार्टी के मुखिया जेपी नड्डा भी हैं।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि हाईकमान पार्टी महासचिवों एवं अन्य नेताओं को उतारने की तैयारी में हैं। इसके अलावा ऐसे कुछ दिग्गज नेताओं को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है, जिन्हें उनके राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में उतार दिया गया था। इसके अलावा कुछ राज्यों के भी संगठन के नेताओं को राज्यसभा जाने का मौका मिल सकता है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि इसके पीछे यह रणनीति है कि राज्यसभा में खाली हुई सीटों पर नए लोगों को मौका मिल जाए। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री जैसे पदों पर बने हुए नेताओं को लोकसभा में उतारने की तैयारी है। ऐसा करने से चुनाव में माहौल भी बनेगा और उनके राज्यसभा सीट खाली करने से नए लोगों को वहां जाने का मौका मिलेगा। इस तरह नए नेतृत्व का भी उभार हो सकेगा और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जगह मिलेगी।

### 27 को होगा मतदान

राज्यसभा चुनाव के लिए जो शेड्यूल जारी हुआ है उसके मुताबिक, 8 फरवरी को नोटिफिकेशन जारी होगा। वहीं 15 फरवरी तक नामांकन होगा। जबकि 27 फरवरी को मतदान होना है। छत्तीसगढ़ में इकलौती सीट पर चुनाव होना है। पार्टी आलाकमान ने जो मापदंड तय किए हैं, उसके बाद सवाल उठ रहा है कि क्या पार्टी सरोज पाण्डेय को रिपीट करेगी? या फिर उन्हें लोकसभा के मैदान में उतारा जाएगा। दरअसल, पिछले दिनों यह भी चर्चा रही कि पार्टी सरोज पाण्डेय को कोरबा क्षेत्र से उतार सकती है।

### छत्तीसगढ़ में 5 सीटें

छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की कुल 5 सीटें हैं। वर्तमान में इन सीटों का प्रतिनिधित्व राजीव शुक्ला, रंजीता रंजन, फूलोदेवी नेताम, केटीएस तुलसी और सरोज पाण्डेय करते हैं। राजीव शुक्ला और रंजीता रंजन का कार्यकाल 2028 में खत्म होगा। वहीं फूलो देवी नेताम और केटीएस तुलसी 2026 में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। राज्य में कांग्रेस सरकार के दौरान इन सदस्यों को ऊपरी सदन में भेजा गया है, जबकि साल 2018 में भाजपा के कोटे से सरोज पांडेय राज्यसभा सदस्य बनी थीं। सरोज के अलावा देशभर के कई दिग्गज नेताओं का कार्यकाल भी अप्रैल में खत्म होने वाला है।

## संपादकीय

# भारत रत्न के मायने

हाल के वर्षों में यह विषय चर्चा में रहा है कि भाजपा के उभार में निर्णायक भूमिका निभाने वाले लालकृष्ण आडवाणी पार्टी के स्वर्णिम काल में किस भूमिका में हैं। यानी मार्गदर्शक मंडल के रूप में उनकी भूमिका क्या है। एक समय था जब भाजपा का नाम लिया जाता था तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के नाम सामने आते थे। ऐसी ही चर्चा पिछले दिनों अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान उनकी अनुपस्थिति को लेकर होती रही। लेकिन केंद्र सरकार ने बीते शनिवार को पहले जनसंघ और बाद में भाजपा के सूत्रधार रहे लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न सम्मान देकर ऐसे तमाम सवालों पर विराम लगाने का प्रयास किया। राम मंदिर आंदोलन के अगुवा रहे और सोमनाथ यात्रा के जरिये मंदिर आंदोलन में उफान लाने वाले आडवाणी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने से पार्टी व पुराने लोग उत्साहित हैं, जिन्होंने पार्टी के दो सांसदों से लेकर पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार का दौर देखा है। कुछ दिन पूर्व ही बिहार में सोशल इंजीनियरिंग के सूत्रधार व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया था। अब तक भाजपा अपने एक दशक के कार्यकाल में सात लोगों को भारत रत्न देने की घोषणा कर चुकी है। अभी तक दिये गए भारत रत्नों में लालकृष्ण आडवाणी का स्थान पचासवां है। कुछ लोग इस निर्णय को चुनावी परिदृश्य से जोड़ते हैं तो कुछ लोग प्राण प्रतिष्ठा की सार्थक परिणति से, क्योंकि 1991 की रथयात्रा के सूत्रधार आडवाणी ही थे। वहीं कुछ लोग मानते हैं कि आडवाणी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अगुवा रहे भाजपा नेताओं की एक पीढ़ी के मार्गदर्शक रहे। जिसमें मौजूदा प्रधानमंत्री भी शामिल रहे हैं। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि नरेंद्र मोदी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाने में भी आडवाणी की भूमिका रही। यही नहीं, वे गुजरात में आडवाणी की रथ यात्रा के सारथी भी रहे हैं। कहा जा रहा है कि भारत रत्न आडवाणी को देना गुरुदक्षिणा देने जैसा भी है। कई राजनीतिक पंडित पिछले दिनों बिहार में सामाजिक न्याय के अगुवा कर्पूरी ठाकुर और लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने को मंडल व कमंडल को साधने की कवायद बताते हैं। बहरहाल, पार्टी ने कहीं न कहीं यह संदेश देने की भी कोशिश की है कि वह मार्गदर्शक मंडल में शामिल अपनी बुनियाद का सम्मान भी करती है। कई विश्लेषक लालकृष्ण आडवाणी के योगदान को भाजपा व जनसंघ से इतर राजनीतिक शुचिता व जीवन मूल्यों में योगदान के रूप में देखते रहे हैं। एक आक्षेप में नाम आने पर लोकसभा से इस्तीफा और स्थिति स्पष्ट न होने तक संसदीय राजनीति से दूर रहने के वायदे को उन्होंने निभाया भी। आज के राजनीतिक परिदृश्य में उनका मूल्यांकन इक्कीस ही कहा जाएगा। वे गठबंधन की राजनीति के सूत्रधार भी रहे। वर्ष 1996 में तेरह दिन में सरकार गिरने पर उन्होंने राजनीतिक छुआछूत का मुद्दा भी उठाया था, जो राजनीतिक गठबंधन के तार्किक पहलुओं पर प्रकाश डालता है। राजग गठबंधन को बेहतर ढंग से चलाने का श्रेय भी उनको जाता है।

> भारत रत्न देने की घोषणा कर चुकी है। अभी तक दिये गए भारत रत्नों में लालकृष्ण आडवाणी का स्थान पचासवां है। कुछ लोग इस निर्णय को चुनावी परिदृश्य से जोड़ते हैं तो कुछ लोग प्राण प्रतिष्ठा की सार्थक परिणति से, क्योंकि 1991 की रथयात्रा के सूत्रधार आडवाणी ही थे।

## बिहार में राजनीतिक नैतिकता गटर में

झारखंड में अगर संवैधानिक मर्यादा का मजाक बना तो उससे पहले बिहार में राजनीतिक नैतिकता का मजाक बना। सोचें, ये दोनों घटनाएं अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन और रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के बाद हुई हैं। भाजपा और हिंदुवादी संगठन महीनों से प्रचार कर रहे थे कि राम आएंगे। फिर राम आ गए। लेकिन क्या राम के साथ उनकी मर्यादा भी आई है? क्या यही राम की मर्यादा है कि फायदे के लिए जानी दुश्मन को भी गले लगा लो या फायदे के लिए संवैधानिक व राजनीतिक मर्यादा को ताक पर रख दो? क्या भगवान राम ने अयोध्या की गद्दी पर बैठने के लिए इस तरह के काम किए थे? कथित तौर पर राम को लाने वालों को क्या राम की मर्यादा, वीरता, साहस, विनम्रता, त्याग, उद्दात चरित्र का जरा सा भी पालन नहीं करना चाहिए?

भाजपा के नेता पानी पी-पीकर नीतीश को कोस रहे थे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कई बार बिहार जाकर ऐलान किया था कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के खिड़की दरवाजे सब बंद हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा अब किसी को कंधे पर नहीं बैठाएगी। भाजपा के प्रदेश के नेता रोज नीतीश को गालियां दे रहे थे और नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर रहे थे। लेकिन अचानक किसी फीडबैक से भाजपा को लगा कि बिना नीतीश के चुनाव लड़ने पर भाजपा को नुकसान हो सकता है। इसलिए सारी बातें भूल कर उनको फिर से गले लगा लिया गया। रातों रात नीतीश कुमार फिर सुशासन बाबू बन गए। प्रधानमंत्री उनको बधाई और शुभकामना देने लगे और राज्यपाल ने पलक झपकते उनकी सरकार बनवा दी। उनके सारे अवगुण धुल गए। उन्होंने विपक्ष को एकजुट किया था और 'इंडिया' के गठन की नींव रखी थी। उन्होंने केंद्र की सरकार से भाजपा को हराने का संकल्प किया था। नीतीश ने हिसाब बताया था कि 50 सीटें कम कर दी जाएं तो भाजपा का बहुमत कम हो जाएगा। वह 272 के जादुई आंकड़े से नीचे आ जाएगी। तभी भाजपा चिंता में थी और चिंता दूर करने का तरीका यह निकाला गया कि नीतीश कुमार को फिर मुख्यमंत्री बना कर उनको अपने साथ मिला लिया गया।

सोचें, बिहार में नीतीश कुमार को भाजपा ने अपना जानी दुश्मन माना था। जब वे पहली बार भाजपा को छोड़ कर गए थे तब नरेंद्र मोदी ने उनके डीएनए में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। असल में मोदी का उनसे विवाद बरसों पुराना है, जब नीतीश बिहार के मुख्यमंत्री थे और भाजपा जूनियर पार्टनर थी, तब सन 2010 में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पटना में हुई थी और नीतीश कुमार ने भाजपा के सभी नेताओं को रात्रिभोज का न्योता दिया था। जिस दिन रात्रिभोज रखा गया था उसी दिन बिहार के अखबारों में गुजरात के तब के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का एक विज्ञापन छप गया, जिसमें किसी चुनाव प्रचार के दौरान वे नीतीश कुमार का हाथ उठा कर खड़े हैं। इस विज्ञापन से नीतीश इतना भड़के कि उन्होंने रात्रिभोज रद्द कर दिया। उसके बाद उन्होंने ऐलान किया था कि अगर भाजपा मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाती है तो वे तालमेल खत्म कर लेंगे। उन्होंने 2013 में भाजपा की घोषणा के बाद तालमेल खत्म कर लिया। उसके बाद ही मोदी ने उनके डीएनए में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। इसके बाद चार साल तक दोनों पार्टियां अलग अलग रहीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी ने नीतीश को हराया तो 2015 के विधानसभा चुनाव में नीतीश ने लालू प्रसाद के साथ मिल कर मोदी को शिकस्त दी। लेकिन दो साल बाद 2017 में भाजपा अपने सारे अपमान भूल गई और नीतीश कुमार के साथ मिल कर बिहार में सरकार बना ली। 2015 के चुनाव की हार से भाजपा ने यह सबक लिया कि चाहे उसने नीतीश को कुछ भी कहा हो या नीतीश ने उसक साथ कुछ भी किया हो चुनाव नीतीश के बगैर नहीं लड़ना है। अभी तो लोकसभा चुनाव है, जिसमें नरेंद्र मोदी की सत्ता दांव पर लगी है। इसलिए भी कोई जोखिम लेने का सवाल नहीं था।

**हरिशंकर व्यास**

> **उम्मीद की एक वजह और भी थी। हालांकि, परंपरा है कि अंतरिम बजट में बड़े नीतिगत बदलाव या किसी बड़े फैसले का एलान नहीं होता, पर पहले सरकारें इस परंपरा को अनदेखा करती रही हैं। इसी सरकार के पिछले कार्यकाल में कार्यवाहक वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने आयकर में फेरबदल और किसानों के खाते में सालाना 6,000 रुपये डालने की बड़ी योजना का एलान किया था।**

# विकास के नए सिलसिले की शुरुआत

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अंतरिम बजट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक बजट बताया है। हालांकि, अनेक विपक्षी नेता और आर्थिक विश्लेषक इसको बजट मानने को ही तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि इसमें कुछ है ही नहीं।

तकनीकी तौर पर यह कहा जा सकता है कि अंतरिम बजट में कुछ होने की जरूरत ही नहीं होती। वजह यह है कि कुछ ही महीने बाद चुनाव होने हैं और बजट बन रहा है अगले पूरे साल के लिए। अगर यहां पूरे साल का बजट बन जाए, तो फिर यह सरकार ऐसा बजट पेश करेगी, जिसे लागू करने की जिम्मेदारी अगली सरकार की हो जाएगी। शायद इसीलिए इस वक्त एक ऐसा अंतरिम या काम चलाऊ बजट पेश किया जाता है, जिससे अगले कुछ महीनों के खर्च का इंतजाम हो जाए और अगली सरकार को इतना वक्त मिल जाए कि वह जुलाई तक अगले पूरे साल का बजट पेश कर सके।

इसके भी दो रास्ते हैं। एक होता है लेखानुदान, यानी सिर्फ खर्च और कमाई का हिसाब पेश किया जाए, लेकिन चुनाव के ठीक पहले यह मौका कौन छोड़ना चाहेगा कि बजट के बहाने भी राजनीति हो जाए। इसीलिए अंतरिम बजट रखे जाते हैं। यहां हिसाब-किताब के साथ साथ अपनी सरकार के कामकाज का गुणगान, और अगर फिर सरकार बन गई, तो क्या-क्या किया जाएगा, इसका भी लंबा-चौड़ा ब्योरा रखा जाता है। यहीं ऐसे वादे और एलान भी हो सकते हैं, जिनको लोक-लुभावन या चुनाव जिताने वाले एलान माना जाता है।

हालांकि, सरकार पहले ही संकेत दे चुकी थी कि यह अंतरिम बजट है, जिसमें किसी बड़े एलान या तोहफे की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। फिर भी उम्मीदों की फेहरिश्त सामने आ चुकी थी। सबसे बड़ी उम्मीद मध्य वर्ग के आयकर भरने वाले लोगों को थी। वित्त मंत्री ने पर्सनल टैक्स वसूली में बढ़ोतरी का जिक्र भी किया और करदाताओं की सराहना भी की, लेकिन बस ऐसी तारीफ से कौन खुश होता है!

उम्मीद की एक वजह और भी थी। हालांकि, परंपरा है कि अंतरिम बजट में बड़े नीतिगत बदलाव या किसी बड़े फैसले का एलान नहीं होता, पर पहले सरकारें इस परंपरा को अनदेखा करती रही हैं। इसी सरकार के पिछले कार्यकाल में कार्यवाहक वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने आयकर में फेरबदल और किसानों के खाते में सालाना 6,000 रुपये डालने की बड़ी योजना का एलान किया था। उससे पहले भी 2004 के अंतरिम बजट में अंत्योदय अन्न योजना का दायरा बढ़ाने के अलावा कस्टम ड्यूटी और स्टॉम्प ड्यूटी में फेरबदल का एलान हुआ था। 2009 के चुनाव से पहले आए अंतरिम बजट में तो तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने आयकर स्लैब में बड़े बदलाव किए थे। उन्होंने आयकर छूट की सीमा को 1.1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख

किया। 65 साल से कम उम्र की महिलाओं के लिए आयकर छूट सीमा को 1.45 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये किया गया था और 65 साल से ज्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए छूट की सीमा को 1.95 लाख से बढ़ाकर 2.25 लाख रुपये किया गया था। इसी तर्ज पर 2019 में पीयूष गोयल ने पांच लाख रुपये तक की आमदनी को टैक्स फ्री करने का एलान किया था, स्टैंडर्ड डिडक्शन को 40,000 से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया था।

वर्तमान वित्त मंत्री ने कहा है कि वह अपनी सरकार के दस साल और पिछली सरकार के कामकाज की तुलना का श्वेत पत्र जारी करेंगी। पिछली सरकारें भी बजट में अपने पहले की परिस्थिति और दुनिया की अर्थव्यवस्था का जिक्र करती रही हैं। मगर यदि ज्यादा दूर न जाएं, तो पिछले 15 साल का रिकॉर्ड ही यह उम्मीद जगाने के लिए काफी था कि सरकार चाहती, तो इस अंतरिम बजट में भी लोक-लुभावन या वोट खींचनेवाले फैसलों का एलान कर सकती है।

यही कारण है कि वित्त मंत्री के साफ-साफकहने का भी असर नहीं दिखा। उन्होंने कहा था कि बड़े फैसलों के लिए पूर्ण बजट का इंतजार करना होगा। फिर भी लोग उम्मीद लगाए बैठे थे। अब इन उम्मीदों पर तो पानी फिरना ही था। पानी फिरने की एक बड़ी वजह भी है। जिस चुनाव के पहले अंतरिम बजट में कुछ बड़े तोहफे या रेवड़ियां बांटने का एलान हुआ है, आमतौर पर उस वक्त की सरकार अगले चुनाव को लेकर कुछ आशंकित सी रहती थी। हालांकि, दसियों साल से सरकारें कह रही हैं कि बजट को एक राजनीतिक दस्तावेज नहीं होना चाहिए, फिर भी बजट और राजनीति का रिश्ता टूटता नहीं दिखता। इस बार बजट में राजनीति का नहीं दिखना, असल में एक बड़ा राजनीतिक संदेश है। संदेश है कि इस सरकार को अपनी राजनीति साधने के लिए बजट के कंधे पर रखकर बंदूक चलाने की जरूरत नहीं दिखती।

इसका एक पहलू और भी हो सकता है कि सरकारें बहुत से काम बजट से बाहर भी कर लेती हैं। खुद प्रधानमंत्री भी तो किसी बड़ी योजना का एलान कर सकते हैं, जिसका ब्योरा फिर सरकार बनने के बाद आएगा। चुनावी वादा करने से भी उन्हें कौन रोक रहा है? 2009 के चुनावों से पहले 2008 में मनमोहन सिंह सरकार ने करीब तीन करोड़ किसानों के कर्ज का 65,000 करोड़ रुपये माफ करने का एलान किया था। उसके बाद से कई राज्यों की सरकारें भी इस तरह की कर्ज-माफी कर चुकी हैं। 2017 में उत्तर प्रदेश की सरकार ने 94 लाख छोटे और सीमांत किसानों के लगभग 36 हजार करोड़ रुपये के कर्ज माफ किए थे।

मगर इस बात के आसार भी नहीं दिख रहे। अंतरिम बजट को इस बात की स्पष्ट घोषणा के तौर पर देखा जा सकता है कि यह सरकार राजनीति और अर्थनीति को साथ जोड़कर नहीं चलाएगी। इसीलिए बजट में यह साफ दिख रहा है कि चुनाव के पहले भी सरकार खर्च कम करने और सरकारी घाटे पर लगाम कसने का काम ढीला नहीं छोड़ना चाहती। वित्त वर्ष 2025 तक सरकारी घाटे को जीडीपी के 5.1 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य सामने रखकर सरकार ने दिखाया है कि इस वक्त वह समझदारी से अर्थनीति चलाने में दिलचस्पी रखती है। देखने में लग सकता है कि इससे विकास के मोर्चे पर परेशानी हो सकती है, लेकिन बारीकी से देखा जाए, तो इससे रेटिंग के बाजार में देश की साख सुधरने की उम्मीद है और उसके बाद सरकार या भारत की कंपनियों के लिए विदेश से कर्ज उठाना आसान हो जाएगा। इस पैसे से वापस विकास का एक नया चक्र शुरू किया जा सकता है।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

# शहरों में जीवन बेहतर बनाने के लिए चाहिए अच्छा समाज

नितिन पई, निदेशक, तक्षशिला इंस्टीट्यूशन

बेंगलुरु का चर्च स्ट्रीट नया स्वरूप मिलने के पांच साल बाद फेंके गए कचरे, टूटे हुए फुटपाथ, क्षतिग्रस्त स्ट्रीट लाइट, खुलेआम अवैध पार्किंग और अपर्याप्त रखरखाव से जूझ रहा है। ऐसी गिरावट देखना दुखद है। यहां आप कंधे उचकाकर कह सकते हैं, 'इसमें नया क्या है?' वाकई हम सभी स्थानीय निकायों में भ्रष्टाचार, नगरीय अधिकारियों की अक्षमता और लोगों के बीच नागरिक बोध के अभाव के बारे में जानते हैं। यह कोई नई बात नहीं है, पर अगर हमें समृद्ध भारत के साथ बेहतर भारत भी बनाना है, तो हमें इस सवाल से जूझना पड़ेगा कि आखिर ऐसा क्यों है कि हमारे सार्वजनिक स्थान बदसूरत, गंदे, खराब रखरखाव की हालत में हैं? अगर कुछ अच्छा होता है, तो उसके पास ही कुछ बुरा-सा भी नजर आ जाता है।

मेरा तर्क है कि हम जो भी लक्षण देखते हैं - भ्रष्टाचार, अक्षमता, दुर्व्यवहार - ये सब भारतीय मानस में एक ही गहरी वजह से उपजे हैं। 'हम' की भावना का अभाव। सार्वजनिक शौचालय गंदे हैं, सार्वजनिक इमारतें बदसूरत हैं, सड़कें जाम हैं, जंगल तबाह हो गए हैं और पर्यावरण प्रदूषित हो गया है, क्योंकि इन्हें हमारी आम संपत्ति के रूप में नहीं देखा जाता है, बल्कि उन्हें स्वतंत्र रूप से उपलब्ध संसाधनों के रूप में देखा जाता है। हर कोई दूसरों की तुलना में इनका ज्यादा दोहन कर लेना चाहता है। हम अपनी सरकारों से संकीर्ण, निजी मांगें करते हैं और लोकतंत्र हमें वही देता है, जो हम मांगते हैं।

अर्थशास्त्री एलिनोर ओस्ट्रोम ने आर्थिक प्रशासन व विशेष रूप से आम जनता पर अपने विश्लेषण के लिए साल 2009 में नोबेल सम्मान जीता था। संसाधनों के बेहतर सार्वजनिक इस्तेमाल के लिए एलिनोर ने जो नियम बनाए, उनमें स्थानीय संदर्भ के अनुकूल नियम बनाना, क्रमिक दंड लगाना, स्थानीय समुदायों को ही उन्हें लागू करने की

अधिकार देना और विवादों को कम लागत में सुलझाने की व्यवस्था करना शामिल है।

मुझे एहसास हुआ है कि जब हम ऐसे नियमों को भारत में लागू करने का प्रयास करें, तो हमें बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। हां, छोटे दायरे में ऐसा करना संभव है, पर बड़े पैमाने पर यह संभव नहीं है। उदाहरण के लिए, बेंगलुरु में कई झीलों और सार्वजनिक उद्यानों को बाड़बंदी करके संभाला गया है। हालांकि, इस दायरे को शहरव्यापी बनाना बेहद कठिन है। जैसे मैंने लेख के शुरू में जिक्र किया, चर्च स्ट्रीट के चारों ओर बाड़ नहीं लगा सकते हैं और इसे कुछ लोगों तक सीमित नहीं कर सकते हैं। इसका मतलब यह कि अनेक लोकप्रिय स्थानों - पर्यटन स्थलों को खमियाजा भुगतना पड़ता है, घूमने आए बाहरी लोग इन स्थलों को खराब कर देते हैं, ऐसे लोगों को जगह की खास कोई परवाह नहीं होती है।

हमारे देश में एक और समस्या है। कुछ लोग या रसूखदार लोग आमतौर पर खुद को समुदाय या समाज के सदस्य के रूप में नहीं देखते हैं। ऐसे लोग नियमों या आम मानदंडों को बनाए रखने में रुचि नहीं रखते हैं। दफ्तरों में ही अनेक कर्मचारी एक-दूसरे को सह-मालिक के रूप में नहीं, बल्कि प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखते हैं।

जब तक भारत में सामाजिक पूंजी की कमी को दूर नहीं किया जाता, लोगों के अमीर होने के बावजूद सार्वजनिक सेवाओं का हाल बुरा रहेगा। जैसा कि एक सहकर्मी ने एक बार चुटकी ली थी, सामाजिकता के अभाव का नतीजा यह कि एक छोटी कार के बजाय अमीर आदमी दो बड़ी कारें अवैध रूप से खड़ी करके जगह घेर लेगा। हमारे शानदार हवाई अड्डों पर भी शौचालयों को ज्यादा सेवकों की जरूरत बनी रहेगी। हमारा सकल घरेलू उत्पाद तो बहुत ज्यादा हो जाएगा, पर सामाजिकता के अभाव में हमारे सार्वजनिक परिवहन, सार्वजनिक अस्पताल और स्कूल सही नहीं होंगे। शहरों में हमारा अगला प्रयास तकनीक की मदद से सामुदायिकता का विकास होना चाहिए। शायद यह वही है, जो गांधीजी ने एक सदी पहले खोजा था कि समाधान समुदायों को जोड़ने और लोगों को एक साथ लाने में है।

अत: पहला कदम है भारतीय मानस में 'हम' की भावना पैदा करना। अब समय आ गया है कि सभी मिलकर सामाजिक पूंजी के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें और वह भी खासकर शहरी भारत में।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

# वैश्विक मंचों में उचित प्रतिनिधित्व भी मिले

सुरेश सेठ

वर्ष 2014 में जो भारत दुनिया की आर्थिक महाशक्तियों में दसवें पायदान पर था। आज वह न केवल पांचवें पर पहुंचा बल्कि ताजा आंकड़ों के अनुसार हमारी अर्थव्यवस्था 4 लाख अरब डॉलर की हो गई है। शीघ्र ही इसे 5 लाख अरब के लक्ष्य तक पहुंचा दिया जाएगा। 2047 अर्थात् जब हम अपनी स्वाधीनता का शतक मनाएंगे, तो विश्वास है हमारा देश विकसित भारत कहलाएगा। भारत की आबादी दुनिया में सबसे अधिक हो गई। इस कारण हमारी श्रमशक्ति भारत की आर्थिकता का बहुत बड़ा बल है।

लेकिन आज भी यह उपेक्षा हमें चौंकाती है कि संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद में हमें अपना देय नहीं मिलता। सुरक्षा परिषद में उन्हीं पांच बड़े देशों के पास वीटो पावर है जिनके पास आज से पौन सदी पहले थी। इसके अतिरिक्त न केवल भारत बल्कि तीसरी दुनिया के देशों और अफ्रीकी देशों को भी इस विश्व मंच पर स्थान मिलना चाहिए, यह बात भारत ही नहीं, पश्चिमी देशों में से फ्रांस और ब्रिटेन भी दोहरा रहे हैं। अभी ब्रिटिश पत्रकार मार्क अरबन ने एक और बात की ओर ध्यान दिलाया कि भारत केवल एक उभरती हुई महान आर्थिक शक्ति ही नहीं, बल्कि स्वावलम्बी सैन्य शक्ति भी बनता जा रहा है। उसकी जल, नभ और थल सेना जिम्मेदारी के साथ अपना कर्तव्य भारत ही नहीं, दुनिया के लिए निभा रही

है। अरबन बोले, भारत कैसे अदन की खाड़ी और लाल सागर में संकट के समय उभरकर आया। उधर अमीरात में मौजूद विशेषज्ञों ने अदन में भारतीय नौसेना की कार्रवाई को सराहा है। नौसेना ने बताया कि 26 जनवरी को व्यापारिक जहाज लुआंडा पर अदन की खाड़ी में हुए हमले के समय बचाव की कार्रवाई तुरंत की गई। नौसेना ने हूती आतंकियों के ड्रोन हमलों का सामना किया। यूरोप के इतिहासकार मार्टिन सॉरबेरी लिख रहे हैं कि महाशक्ति का उदय हो रहा है। भारतीय नौसेना द्वारा लाल सागर में समुद्री लुटेरों पर काबू पाया जा रहा है।

एक नया सत्य इस क्षेत्र में उभरकर आ रहा है जिसके प्रति निवेशक और उत्पादक दुनिया के कोने-कोने से उत्साहित हो रहे हैं। अब निवेश की सुरक्षित और लाभदायक जगह चीन नहीं, है, उसकी तो आर्थिकता इस समय लड़खड़ा रही है। भारत एक ऐसी शक्ति के रूप में उभरकर सामने आ रहा है जिसने विश्वव्यापी मंदी का रुख मोड़ दिया।

मोदी जी ने भी भारत को एक सूत्र में बांधने वाली धार्मिक आस्था और भरोसेमंद न्यायप्रणाली के उभरने की बात अपने पिछले मन की बात कार्यक्रम में की है। निस्संदेह, भारत ने पिछले दशक में तेजी से तरक्की की है। इसके बावजूद भारत को विश्व मंच पर वह स्थान क्यों नहीं मिल रहा जो उसे मिलना चाहिए।

विश्व मंच में संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद के महत्व को कौन नकार सकता है। इस बीच दुनिया का चेहरा-मोहरा तेजी से बदल गया है। इस तेजी से बदलते माहौल में निश्चय ही भारत और तीसरी दुनिया के आजाद हुए नये देशों का महत्व तो बढ़ा ही है, अफ्रीकी देशों की प्रगति को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत और इन देशों को पूरा महत्व क्यों नहीं मिलता? जबकि ये दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपने देशों में बसाते हैं। भारत ने बार-बार अपनी क्षमता को सिद्ध किया है।

जी20 देशों के शिखर सम्मेलन जब एक साल में भारत में हुए तो निश्चय ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को गरिमा प्राप्त हुई। इससे पहले कोरोना की महामारी का मुकाबला भारत ने सफलता के साथ किया। भारत निर्मित कोरोना के टीके दुनिया को मौतों के दुर्भाग्य से बचा सके। इसके अतिरिक्त भारत अब तेजी के साथ अपनी आयात आधारित अर्थव्यवस्था का मिजाज बदलकर उसे निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बना रहा है। लेकिन सबसे बड़ी चुनौती की बात ऊर्जा संकट से निपटने की उसकी असफलता और पेट्रोल व डीजल के घरेलू उत्पादन में उपलब्धि न होकर 85 प्रतिशत इन ऊर्जा साधनों को अभी भी विदेशों से आयात करते जाना पूरे के पूरे संतुलन को बिगाड़ देता है। रुपये का मूल्य डॉलर और अन्य अंतर्राष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले में गिरने लगता है। भारत अब कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर निर्भर न रहकर उद्योग और निर्माण अर्थव्यवस्था का रुख ले रहा है। अभी देश के पर्यटन क्षेत्र के विकास के जो कदम उठाए गए हैं, वो भी उसे अंतर्राष्ट्रीय नक्शे में गौरवपूर्ण स्थान दे रहे हैं।

निश्चय ही भारत के शासन के स्थायित्व के कारण दुनिया का रुख उसके प्रति बदल रहा है। भारत की वैश्विक साख में वृद्धि हुई है। दुनिया भी जानती है कि लोकतांत्रिक राजनीति के स्थायित्व के कारण भारत तेजी से बड़ी आर्थिक शक्ति बनता जा रहा है। जिसके चलते कालांतर अंतर्राष्ट्रीय मंचों यानी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को गरिमापूर्ण स्थान देने के लिये वैश्विक शक्तियों को बाध्य होना पड़ेगा।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

# श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़



इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM




## खास खबर

### भाजपा का 7 से 11 तक चलेगा गांव चलो अभियान- अशोक बजाज

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी रायपुर लोकसभा क्षेत्र के संयोजक अशोक बजाज ने जानकारी दी कि रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 7 फरवरी से 11 फरवरी तक गांव चलो अभियान चलेगा। जिसमें जिसके अंतर्गत क्षेत्र के हर गांव में कोई न कोई बीजेपी का पदाधिकारी 24 घंटे का प्रवास करेगा तथा रात्रि विश्राम करेगा। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र के वार्डों को भी इस अभियान में शामिल किया गया है. श्री बजाज ने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जायेगा तथा लाभार्थियों से संपर्क किया जाएगा। भाजपा नेतृत्व ने हर बूथ में 10 प्रतिशत व्होट बढ़ने का लक्ष्य दिया है इसके लिए मैदानी कार्यकर्ताओं को आवश्यक टिप्स दिए जायेंगे। उन्होनें कहा कि गांव चलो अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू की गई मोदी की गारंटी से आम जनता को अवगत कराया जायेगा तथा पात्र हितग्राहियों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास होगा। बजाज ने कहा कि प्रदेश की विष्णुदेव सरकार ने कामकाज संभालते ही 18 लाख आवास स्वीकृत किये, 12 लाख किसानों को दो साल का लंबित बोनस प्रदान किया है तथा धान खरीदी की सीमा 20 क्विंटल से बढ़ा कर 21 क्विंटल कर दिया गया है। इसी प्रकार सरकार ने 8 मार्च को महतारी वंदन योजना की पहली किस्त जारी करने तथा आचार संहिता लागू होने के पहले किसानों को धान के अंतर राशि प्रदान करने का आदेश दिया है जिससे प्रदेश की जनता खुश है।

### विशेष संरक्षित जनजाति बैगा के लिये प्योर और दोस्त संस्था ने सेवा केन्द्र की स्थापना की

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के ज़िला कबीरधाम के बोडला ब्लाक के ग्राम छुहीनाला पंचायत चोरभट्टी, नवाटोला पंचायत ढोलबज्जा, ग्राम बेलापानी पंचायत राजाडार में बैगा जनजाति के बीच जाकर सेवा कार्य किया . सेवा उपक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता के लिये डॉ सत्यजीत साहू ने बैगा महिलाओं और बच्चों के पोषण और सुरक्षित मातृत्व के लिये महिलाओं और संबंधित मितातिनों को विस्तार से समझाया और साथ ही मरीज़ों को दवाइयाँ प्रदान की . सेवा क्रम में एडवोकेट संतोष ठाकुर ने बैगा जनजाति को वन अधिकार क़ानून के बारे में जानकारी दी . आज प्योर संस्था के संयोजक सुरज दुबे ने प्रत्येक सेवाकेंद्र में में बैगा समुदाय से ही एक युवा को सेवामितान के रूप नियुक्त किया .दोस्त और प्योर की टीम में सुनील शर्मा, डॉ संगीता कौशिक, स्वाती देवांगन ने सेवा मितान के संपर्क के लिये माडल की स्थापना की है। विशेष संरक्षित जनजाति बैगा समाज के क्षेत्रीय मुखिया ने टीम के सेवा उपक्रमों के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष संरक्षित जनजाति के उन्नयन के लिए यह प्रयास सराहनीय है।

### गृह विभाग ने जारी किया आदेश...

# 44 आईपीएस अफसरों का तबादला, 25 जिलों के एसपी बदले

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गृहविभाग ने प्रदेश के 44 आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया है। पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश के अनुसार 25 जिलों के पुलिस अधीक्षक बदल दिए गए हैं। गृह विभाग द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। राजधानी रायपुर सहित कई जिलों के एसपी बदल दिए गए हैं। एक दिन पहले डेपुटेशन से लौटे अमरेश मिश्रा को रायपुर रेंज का आईजी बनाया गया है।

वहीं 2011 बैच के डूक्कस् संतोष सिंह अब रायपुर के नए स्क होंगे। इसी प्रकार दुर्ग के एसपी रामगोपाल गर्ग को रेंज का प्रभारी आईजी बनाया गया है। वे दुर्ग के एसपी भी रहेंगे। वहीं दुर्ग के आईजी बद्री नारायण मीणा को पुलिस मुख्यालय ट्रांसफर किया गया है।

गृह विभाग के आदेश के मुताबिक महानिरीक्षक स्तर के 10 अधिकारियों का भी प्रभार बदला है। जारी आदेश के मुताबिक 2011 बैच के डूक्कस् संतोष सिंह अब रायपुर के नए स्क होंगे। इससे पहले रायपुर की कमान संभाल रहे प्रशांत अग्रवाल को छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल बस्तर क्षेत्र में उप पुलिस महानिरीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं रतन लाल डांगी को रायपुर आइजी के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। डेपुटेशन पर केंद्र से लौटे अमरेश मिश्रा अब ये जिम्मेदारी संभालेंगे। 2004 बैच के संजीव शुक्ला अब बिलासपुर एसपी होंगे।

राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक डा. आनंद छाबड़ा, अजय कुमार यादव, बद्री नारायण मीणा को पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में पदस्थ किया गया है। दीपांशु काबरा की सेवाएं परिवहन विभाग से वापस लेते हुए उन्हें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय रायपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक जशपुर डी. रविशंकर को अब अतिरिक्त परिवहन आयुक्त बनाया गया है।

#### बदले गए इन जिलों के एसपी

जारी आदेश के अनुसार एमआर अहिरे को सूरजपुर, दीपक झा को राजनांदगांव, इंदिरा कल्याण एलेसेला को कांकेर, आशुतोष सिंह को महासमुंद, विवेक शुक्ला को जांजगीर चांपा, शशि मोहन सिंह को जशपुर, विजय अग्रवाल को सरगुजा, रामकृष्ण साहू को बेमेतरा, जितेंद्र शुक्ला को दुर्ग, दिव्यांग पटेल को रायगढ़ जिले का एसपी बनाया गया है। वहीं शलभ सिन्हा को जगदलपुर, भावना गुप्ता को गौरेला पेंड्रा मरवाही, सूरज सिंह को कोरिया, सिद्धार्थ तिवारी को कोरबा, जितेंद्र यादव को बीजापुर, आंजनेय वार्ष्णेय को धमतरी, अंकिता शर्मा को सक्ती, रजनेश सिंह को बिलासपुर व सरजु राम भगत को बालोद जिले की जिम्मेदारी दी गई है।

## समाज कल्याण विभाग ने 110 व्यक्तियों को कराया शैक्षणिक भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**महासमुंद।** कलेक्टर प्रभात मलिक के मार्गदर्शन में 03 फरवरी को समाज कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न सस्थाओं के व्यक्तियों को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। उप संचालक संगीता सिंह ने बताया की शैक्षणिक भ्रमण के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय बहुविकलांग विशेष विद्यालय महासमुन्द, आशियाना वृद्ध आश्रम महासमुन्द के वृद्धजन एवं आशा मनो विकास केन्द्र (घरौंदा) से दिव्यांग बालक-बालिकाए, संस्था के कर्मचारी एवं अधिकारी लगभग 110 व्यक्तियों को बस के माध्यम से शैक्षणिक भ्रमण के तहत दक्षिण कौशल सिरपुर के गंधेश्वर महादेव का दर्शन एवं लक्ष्मण मंदिर परिसर का भ्रमण कराते हुए वहां के ऐतिहासिक मंदिर के निर्माण एवं मूर्तिकला के दर्शन तथा विभिन्न मूर्तियों के बारे में गाईड भुवनेश्वर ध्रुव ने अवगत कराया। दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य, गीत एवं अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने बढ़-चढ कर भाग लिया।

दर्शन पश्चात सभी दिव्यांगजनों एवं निराश्रित वृद्धजनो के साथ अधिकारी/कर्मचारी ने सिरपुर के विश्राम गृह में जलपान किया जलपान करते हुए कई वृद्धजनों की आंखे नम थी। पुछने पर कहां गया कि आपके द्वारा यह मान-सम्मान पाकर मन गदगद हो गया। भ्रमण से दिव्यांगजन एवं निराश्रित वृद्धजन अत्यंत प्रसन्न, रोमांचित एवं भावुक हुए एवं कलेक्टर का धन्यवाद करते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करते रहने हेतु उप संचालक समाज कल्याण से अनुरोध किये।

## जीवन के हर क्षेत्र में चुनौतियां हैं और विद्यार्थियों को बहुआयामी शिक्षण प्रदान कर ही सफल बना सकते हैं- संदीप अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कवर्धा।** स्वामी करपात्रीजी विद्यालय के वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के सीईओ श्रसंदीप कुमार अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की तैलचित्र पर दीप प्रज्जवलन और पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में राजकीय गीत का सामूहिक गायन हुआ।

इसके बाद विद्यालय के गत वर्षों के समस्त कक्षाओं के प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही वर्ष भर की साहित्यिक, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा एनसीसी, स्काउट एनएसएस, साहित्य, विज्ञान एवं

क्रीड़ा के छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया गया। जिला पंचायत के सीईओ श्री संदीप कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में चुनौतियां हैं और विद्यार्थियों को बहुआयामी शिक्षण प्रदान कर ही सफल बना सकते हैं। स्वामी करपात्री जी विद्यालय का एक गौरवशाली इतिहास रहा है और आज भी शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय अग्रणी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम.के. गुप्ता ने कहा कि किसी न किसी की प्रेरणा से ही जीवन में प्रगति होती है, चाहे माता-पिता हों अथवा शिक्षक। उनके इस पूर्व विद्यालय ने जीवन के हर क्षेत्र में सफल व्यक्तियों का निर्माण किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को अग्नि वीर योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वार्षिकोत्सव समारोह के प्रारंभ में एनसीसी कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन हुआ। इस संदर्भ में नगर के सभी गणमान्य दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। समारोह का संचालन व्याख्याता जे.के. सिंह ने किया एव सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन व्याख्याता गण अंजली तिवारी, परमजीत कौर एवं वजन राम साहू ने किया।

समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व प्राचार्य बी.एस चंद्रवंशी, काव्य भूषण आशुकवि रंगकर्मी चित्रकार पूर्व शिक्षक गणेश शरण सोनी प्रतीक, पूर्व क्रीड़ा अधिकारी एम आर महोबिया, राष्ट्रपति पुरस्कृत पूर्व व्याख्याता आदित्य श्रीवास्तव, पूर्व व्याख्याता पंकज सिंह ठाकुर, सहायक संचालक यू.आर. चंद्राकर एवं एम आई एस प्रशासक सतीश यदु की गरिमामय उपस्थिति रही।

## कोयलांचल मार्ग पर जाम की समस्या, जनता परेशान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** मुख्य मार्गों पर जाम लगने की समस्या से छुटकारा मिलता नजर नही आ रहा है। कुसमुंडा में फोरलेन सडक नमूना बनकर रह गई है तो दीपका क्षेत्र में सडक की दुर्दशा और वाहनों के दवाब से अजीब स्थिति बनी हुई है। दीपका बिलासपुर मार्ग पर आवाजाही करने वाले लोग दुश्वारियों से जूझने को मजबूर है।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के गेवरा दीपका माइंस के द्वारा रोड़ सेल में दिए जा रहे कोयले की बड़ी मात्रा ने इस रास्ते पर भारी वाहनों का दवाब बढ़ा दिया है। रोजाना कई हजार वाहनों की आवाजाही कोयला लेकर हो रही है। हाल में ही कुसमुंडा ने 2 लाख टन कोयला का आक्सन किया है। गेवरा और दीपका का अनुपात इससे कहि ज्यादा है। आंकलन है कि फरवरी और मार्च तक सडकों पर दवाब ज्यादा होगा और सडकों पर जाम लगने के मामले भी बढ़ेंगे। वर्तमान में कुसमुंडा से लेकर दीपका और उसके आगे की रोड कनेक्टविटी जाम के कारण बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। लोग बताते है इस इलाके में मुख्य मार्ग पर कई किलोमीटर लम्बा जाम लगने की समस्या कैंसर जैसी हो गई है। परेशानी तब बढ़ जाती है जब किसी मरीज को अस्पताल ले जाना होता है। अनेक मौकों पर जाम में एम्बुलेंस फस जाया करती हैं। ऐसे में पीड़ित को संजीवनी मिलने में देरी होती है।

## विदेशी व्यापार से जुड़ी सारी जानकारी मिलेगी अब एक ही जगह

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरिया।** जिले में व्यापार के वार्षिक विश्लेषण के लिए राष्ट्रीय आयात-निर्यात रिकॉर्ड के प्रोत्साहन हेतु विगत दिवस जिला पंचायत सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विनय कुमार लगेंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में कलेक्टर ने उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए निर्यात पोर्टल के उपयोग पर सभी का ध्यान केंद्रित किया। विदेश व्यापार उप महानिदेशालय (आयात और निर्यात) नागपुर की टीम ने मंडी व्यापारी, एफ पी. ओ. और विभिन्न व्यापारियों को निर्यात पोर्टल की जानकारी दी और व्यापारियों ने भी इससे जुड़े

अपने अनुभव साझा किए। डीजीएफटी नागपुर की टीम द्वारा फाइनेंस, प्रोसीजर ऑफ कस्टम, आईईसी का पंजीकरण की जानकारी साझा की तथा विदेश व्यापार उप महानिदेशालय (आयात और निर्यात) द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानती दी। कार्यक्रम के दौरान बैंक ऑफ महाराष्ट्र, भारतीय डाक विभाग, जिला उद्योग केंद्र के अधिकारी उपस्थित थे। इस पोर्टल को विदेशी व्यापार से जुड़ी सारी जानकारी को एक जगह पर मुहैया कराने के लिए बनाया गया है, जून 2022 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा निर्यात पोर्टल का उद्घाटन किया गया।

## महतारी वंदन योजना के लिए कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** कलेक्टर डॉक्टर गौरव सिंह की अध्यक्षता मे रेडक्रास भवन में महतारी वंदन योजना की बैठक सह कार्यशाला आयोजित हुई। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) द्वारा योजना एवं इसके क्रियान्वयन के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। योजना के तहत 21 वर्ष से अधिक उम्र की विवाहित/विधवा/तलाकशुदा/परित्यक्ता महिला को प्रत्येक माह 1000 रूपए की राशि डीबीटी के माध्यम से प्राप्त होगी। योजना संचालन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग नोडल एजेन्सी के रूप में कार्य करेगा।

योजना के लिए ग्राम पंचायत/आंगनबाड़ी केन्द्र/नगरीय क्षेत्र में वार्ड स्तर पर के साथ ही परियोजना कार्यालय (मबावि) में फार्म उपलब्ध होगा। फार्म ऑनलाईन एवं आफलाईन दोनों तरह से भरे जा सकेंगे। इसके लिए शासन स्तर तथा मोबाईल एप्प जारी किया गया है। जिस पर हितग्राही स्वयं आवेदन कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। योजना हेतु आवेदन दिनांक 05 फरवरी 2024 से प्राप्त किया जाएगा। योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु हेल्प डेस्क नं. 7247753312 जारी किया गया है। बैठक में नगर पालिक निगम रायपुर एवं बीरगांव के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, बृजेश सिंह श्रत्रिय, जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप सिंह जिले के सभी अनुविभागीय अधिकार (रा.) सभी जिला स्तरीय अधिकारी, जनपद पंचायतों के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिले के सभी तहसीलदार, सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी, सभी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पालिक/नगर पंचायत के साथ ही महिला एवं बाल विकास के मैदानी अमलों के लोग उपस्थित थे।

## महतारी वंदन योजना के संबंध में जारी हुआ विस्तृत दिशा निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश में महतारी वंदन योजना 1 मार्च 2024 से लागू की जाएगी। योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य की स्थानीय निवासी एवं विवाहित महिला पात्र होगें। आवेदन के कैलेण्डर वर्ष अर्थात् जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा है, उस वर्ष की 1 जनवरी को विवाहित महिला की आयु 21 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता महिला भी योजना के लिए पात्र होंगी। योजनांतर्गत पात्र महिला को प्रतिमाह 1000 रूपए का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। सामाजिक सहायता कार्यक्रम, विभिन्न पेंशन योजनाओं से पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं को 1000 रूपए से कम पेंशन राशि प्राप्त होने से शेष अंतर की राशि का भुगतान किया जाएगा। महतारी वंदन योजना अंतर्गत 5 फरवरी 2024 को ऑनलाईन व ऑफ लाईन आवेदन का पंजीयन प्रारंभ होगा। प्रथम चरण के लिए आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 फरवरी 2024 हैं। अनन्तिम सूची 21 फरवरी 2024 को जारी की जाएगी। अनन्तिम सूची पर आपत्ति 21 से 25 फरवरी 2024 तक की जा सकती है। आपत्ति का निराकरण 26 से 29 फरवरी 2024 तक किया जाएगा। अंतिम सूची का प्रकाशन 1 मार्च 2024 को होगा एवं स्वीकृति पत्र 5 मार्च 2024 को जारी होगा तथा पात्र महिला हितग्राही को राशि का अंतरण 8 मार्च 2024 को किया जाएगा।

महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए स्व सत्यापित स्वयं की पासपोर्ट साईज फोटो, स्थानीय निवासी के संबंध में निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र दस्तावेज, स्वयं का एवं पति का आधार कार्ड, यदि हो तो स्वयं का एवं पति का पैन कार्ड, विवाह का प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत व स्थानीय निकायों द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी। विधवा होने की स्थिति में पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, वार्ड, ग्राम पंचायत द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।


ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578



Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

## खास खबर...

### जन्मदिन, पुण्यतिथि व श्राद्ध पर एक पौधा लगाने का कोसरे समाज ने लिया संकल्प

**रायपुर।** कोसरे कलार समाज के लोगों ने जन्मदिन, घर में बच्चे के जन्म, माता-पिता की पुण्यतिथि व श्राद्ध पर कम से कम एक पौधा लगाने का संकल्प लिया। कोटा स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को राज्य स्तरीय परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय कलचुरी जायसवाल समवर्गीय महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक संजय कुमार जायसवाल ने लोगों को पौधे लगाने का संकल्प कराया। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को औसतन उसके जीवन काल में जितनी वायु लगती है उसकी कीमत बहुत अधिक है लेकिन अगर हम पौधरोपण करेंगे तो आगे चलकर कभी भी ऐसा संकट नहीं होगा।

समाज द्वारा आयोजित परिचय सम्मेलन में 15 युवक-युवतियों की बात आगे बढ़ाई गई है। परिचय सम्मेलन में शामिल होने राज्य के बाहर से भी समाज के युवक-युवती पहुंचे। समारोह में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही क्विज और मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। समाज के अध्यक्ष घनश्याम मेश्राम ने बताया कि 8 छात्र-छात्राओं को शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में शामिल विशिष्ट अतिथियों ने बच्चों को अच्छे भविष्य निर्माण के लिए मार्गदर्शन दिया।

### गुजराती शिक्षण संघ ने थाई बॉक्सिंग के पांच खिलाड़ियों को सम्मानित किया

**रायपुर (ए)।** गुजराती शिक्षण संघ की ओर से फेडरेशन कप में छत्तीसगढ़ को 6 मेडल दिलाने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। संघ ने सभी मेडलिस्ट खिलाड़ियों को 20 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी। पिछले दिनों मध्यप्रदेश में हुए टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की 12 सदस्यीय टीम ने भाग लिया। जिसमें गुजराती स्कूल के 5 खिलाड़ी शामिल थे। छत्तीसगढ़ ने फेडरेशन कप में कुल 8 गोल्ड, 1 सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीते। जिसमें गुजराती स्कूल के खिलाड़ियों ने 4 गोल्ड, 1 सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल प्रदेश के नाम किए। मेडल जीतने वाले पांच खिलाड़ियों में प्रियंका साहू (दो गोल्ड), मंजू साहू (गोल्ड), दृष्टि पटेल(गोल्ड), सदानन्द प्रसाद भंजदेवी (सल्वर) और यश राय (ब्रॉन्ज)।

### ऑल इंडिया पारिक महासभा के शिविर में 38 लोगों ने किया रक्तदान

**रायपुर।** ऑल इंडिया पारिक महासभा के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। महासभा की यूथ विंग द्वारा डीकेएस अस्पताल में 38 लोगों ने रक्तदान किया। यूथ विंग के चेयरपर्सन हेमंत तिवारी ने बताया कि रेडक्रॉस सोसाइटी के तकनीकी विशेषज्ञ बबिता साहू, धनेश्वरी मानिकपुरी, प्रगति लाल, लोकेश मिरी, योगेश सिन्हा, विमला सिन्हा व डॉ. सत्यनारायण पांडे ने रक्तदान में सहयोग किया। शिविर में महासभा की स्नेहलता तिवारी, स्वाति तिवारी, दीपक अग्रवाल, नवल तिवारी और विवेक जोशी ने रक्तदान किया।

# स्कूलों में बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार भी मिले: शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि स्कूल केवल शिक्षा का केंद्र ही न रहें बल्कि समर्पण और संस्कार के केंद्र भी बने। उन्होंने कहा कि राज्य शासन की शिक्षा के प्रति सर्वोच्च प्राथमिकता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए राज्य में न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी सत्र से स्कूलों में पहले पीरियड में योग और प्राणायाम के साथ ही नैतिक शिक्षा भी प्रारंभ करने की योजना है। श्री अग्रवाल आज अंबिकापुर में एक निजी स्कूल के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री अग्रवाल ने कहा कि स्कूलों का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि छात्रों को जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक सभी कौशल प्रदान करना भी है। वर्तमान समय में शिक्षा के साथ हमें व्यवहारिक और तकनीकी ज्ञान में दक्ष होना भी जरूरी है। स्कूली शिक्षा के दौरान ही बच्चों में नैतिक मूल्यों और सामाजिक संस्कारों को सीखते हैं, जो उन्हें बेहतर नागरिक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का व्यावसायीकरण करने के बजाय हमें प्रतिभाओं को सामने लाने का प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने स्कूली बच्चों को शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्कूल प्रबंधन और शिक्षक, स्कूली बच्चे एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

## शिवप्रकाश ने विधायकों को मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं को दिया चुनावी मंत्र

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में रविवार को भाजपा विधायक दल की बैठक आहूत की गई। बैठक में विधानसभा सत्र को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, केदार कश्यप, दयाल दास बघेल, लक्ष्मी राजवाड़े, टंकराम वर्मा, ओपी चैधरी,लखन लाल देवांगन, श्यामबिहारी जायसवाल, सहित भाजपा विधायक मौजूद रहे। बैठक के बाद मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के अध्यक्षता में विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने सभी विधायको को मार्गदर्शन देते हुए बताया विधायकों का दायित्व क्या है, जनता के साथ कैसे संबंध होने चाहिए, कार्यकर्ताओं के साथ कैसे संबंध होना चाहिए, विधायकों का संगठन के प्रति क्या दायित्व है और अच्छे विधायक बनने के लिए हमें क्या-क्या करना चाहिए। जो पार्टी के विचार परिवार के लोग हैं उनसे हमारे कैसे संबंध होने चाहिए इस बारे में मार्गदर्शन दिया साथ में विधायक दल के मुख्य सचेतक राजेश मूणत और सचेतक लता उसेंडी और सुशांत सिंह को घोषित किया गया है। विधायक कल की बैठक में विधायक गणों के सुझाव लिए गए विधायकों को यह भी बताया गया राज्यपाल के भाषण पर क्या बोलना है कैसे बोलना है बजट सत्र में कैसे भाग लेना है कैसे प्रश्न लेना है इन सब चीजों की जानकारी विधायकों को दी गई है।

# छत्तीसगढ़ सरकार के किसान हितैषी नीतियों के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

**■ मुख्यमंत्री साय से छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ के सदस्यों ने की सौजन्य मुलाकात**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राज्य अतिथि गृह पहुना में छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की।

संघ के सदस्यों ने मुख्यमंत्री साय को राज्य सरकार के किसान हितैषी नीतियों की वजह से प्रदेश भर के किसानों को मिल रहे लाभों के लिए आभार व्यक्त किया। किसानों ने मुख्यमंत्री को बताया कि सुशासन दिवस के अवसर पर 12 लाख से अधिक किसानों को दो साल का बोनस के रूप में उनके खातों में 3700 करोड़ रुपए से ज्यादा राशि अंतरित की जा चुकी है, इससे किसान काफी खुश हैं।

इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से हो रही धान खरीदी की भी भूरी-भूरी प्रसंशा की। किसानों ने उत्साहपूर्वक बताया इस निर्णय से हमारी उपज का शत प्रतिशत विक्रय संभव हुआ है। समर्थन मूल्य पर खरीदी का पूरा-पूरा लाभ भी हमें मिलने लगा है। मुख्यमंत्री साय को किसानों ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए यह भी बताया की 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जाने का निर्णय भी किसानों के हित में लिया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

उल्लेखनीय है की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों की सुविधा का ध्यान रखते हुए धान खरीदी की तारीख 4 फरवरी तक बढ़ाई थी। राज्य सरकार द्वारा अब तक किसानों से 144.92 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर रिकार्ड खरीदी की जा चुकी है।

इस अवसर पर राजनंदगांव, दुर्ग, गरियाबंद, बेमेतरा आदि जिले से आए छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ के सर्व सतीश यादव, मनीष त्रिपाठी, प्रशांत, धनेश्वर गुप्ता, भूपेंद्र देवांगन, सोहन निषाद, नीलकंठ यादव, कमलेश, घासीराम पाल, जगत राम सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

### छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर हुई रिकॉर्ड धान खरीदी

# राज्य में 24 लाख 72 हजार से अधिक किसानों ने बेचा 144.92 लाख मीटरिक टन

धान खरीदी की अवधि बढ़ने से 19 हजार से अधिक किसान हुए लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य में किसानों से बीते 96 दिनों से समर्थन मूल्य पर जारी धान खरीदी का सिलसिला थम गया। कल शाम 7 बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार समर्थन मूल्य पर 144.92 लाख मीटरिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी हुई है। उपार्जित धान की यह मात्रा बीते खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में क्रय किए गए 107.53 लाख मीटरिक टन से 37.39 लाख मीटरिक टन अधिक है। राज्य में इस साल धान खरीदी का यह नया रिकॉर्ड कायम हुआ है, जबकि अभी अंतिम रिपोर्ट आना बाकी है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सिलसिला 01 नवम्बर 2023 से शुरू हुआ था। चालू खरीफ विपणन वर्ष में धान खरीदी की अंतिम तारीख 31 जनवरी निर्धारित थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों एवं किसान प्रतिनिधियों की मांग और उनकी परेशानियों को देखते हुए धान खरीदी की अवधि 31 जनवरी से बढ़ाकर 4 फरवरी कर दी थी। इसका फायदा राज्य के ऐसे किसानों को मिला है, जो 31 जनवरी तक कतिपय कारणों से अपना धान नहीं बेच पाए थे। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील फैसले से 19 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं और उन्होंने एक फरवरी से लेकर 4 फरवरी के मध्य समर्थन मूल्य पर 2.69 लाख टन धान बेचा है। अंतिम रिपोर्ट आने पर किसानों की संख्या और उनके द्वारा बेचे गए धान की मात्रा में और वृद्धि होने की संभावना है।

राज्य में चालू खरीफ विपणन वर्ष में 130 लाख टन धान का उपार्जन अनुमानित था। धान की रिकॉर्ड खरीदी के चलते अनुमानित उपार्जन का आंकड़ा काफी पीछे छूट गया है। इस साल धान बेचने के लिए राज्य के 26.85 लाख किसानों ने अपना पंजीयन कराया था। पंजीकृत धान का रकबा 33.51 लाख हेक्टेयर था। 4 फरवरी शाम सात बजे तक राज्य में 24 लाख 72 हजार 310 किसान समर्थन मूल्य पर 144 लाख 92 हजार टन धान बेच चुके थे। किसानों को धान बेचने के एवज में अब तक 30 हजार 68 करोड़ 81 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था के समानांतर कस्टम मिलिंग का काम भी तेजी से जारी है। उपार्जित धान 144.92 लाख टन में से 105.18 लाख टन धान के उठाव का डीओ जारी किया जा चुका है, जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 97.90 लाख टन धान का उठाव किया जा चुका है।

### मानस गान प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए राजस्व मंत्री वर्मा

# नवनिर्मित भवनों का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम बोरिद में आयोजित मानस गान प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने यहां पर 50 लाख रुपये लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन, कुर्मी भवन और पंचायत भवन का लोकार्पण किया।

मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री वर्मा ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि हक छिनने की बात महाभारत में तो सम्पत्ति वितरण की बात रामायण में है। कथा सुनने की बजाय कथा की बातों को जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि माताएं बच्चों को संस्कारवान बनाये। घर में राम को अवतरित करना हो तो माताओं को कौशल्या बनना पड़ेगा। मंत्री वर्मा ने प्रदेश में रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने रामायण में बताए मार्ग को अपने जीवन में आत्मसात करने का लोगों से आह्वान किया। उन्होंने सुमधुर स्वर में रामायण की पंक्तियों को उद्धृत किया। मंत्री वर्मा ने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम के विकास कार्य के लिए 25 लाख रुपए की घोषणा की। समारोह को जितेन्द्र वर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि और मानस प्रेमी जनता उपस्थित थी।

# छत्तीसगढ़ में आंशिक रूप से छाए रहेंगे बादल कुछ इलाकों में हल्की वर्षा की संभावना

**रायपुर।** मौसम में एक बार फिर बदलाव के संकेत दिखाई दे रहे हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार मध्य क्षोभमंडल में एक द्रोणिका स्थित है, इसके कारण वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने की संभावना है। वहीं, बंगाल की खाड़ी से भी नमीयुक्त हवाओं के आगमन होने की संभावना बन रही है। इसकी वजह से सोमवार को मध्य छत्तीसगढ़ में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बहुत हल्की वर्षा होने की भी संभावना बन रही है। हालांकि इसकी वजह से न्यूनतम तापमान में कमी होने के कोई आसार नहीं हैं, बल्कि वृद्धि जरूर संभावित है।

वहीं, राजधानी में सोमवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इसी बीच रविवार को प्रदेश में मौसम शुष्क तो रहा, लेकिन दिन में गर्मी का अहसास होता दिखाई दिया। वहीं, सरगुजा अब भी सबसे ठंडा क्षेत्र बना हुआ है। प्रदेश में सबसे कम तापमान 8.6 डिग्री सेल्सियस, जबकि अधिकतम तापमान 32.3 डिग्री सेल्सियस डोंगरगढ़ में दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ 70 डिग्री पूर्व और 32 डिग्री उत्तर में द्रोणिका के रूप में स्थित है। वहीं, सोमवार को इसकी वजह से बहुत हल्की वर्षा होने के बाद इसके उत्तर की ओर बढ़ने के संकेत हैं। जिसकी वजह से छह और सात फरवरी को प्रदेश के उत्तरी भाग में वर्षा होने की संभावना बन रही है।

### अधिकतम तापमान औसत से छह डिग्री तक ज्यादा

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार अधिकतम तापमान प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में औसत से एक से छह डिग्री तक ज्यादा चल रहा है। इसमें सर्वाधिक छह डिग्री ज्यादा राजनांदगांव में, अंबिकापुर में चार डिग्री, दुर्ग, बिलासपुर व पेंड्रा रोड में तीन-तीन डिग्री, रायपुर में दो डिग्री और जगदलपुर में एक डिग्री तक ज्यादा है।

### न्यूनतम तापमान में उतार-चढ़ाव जारी

इसके अलावा न्यूनतम तापमान कुछ क्षेत्रों में औसत से ज्यादा, तो कुछ क्षेत्रों में औसत से कम है। आंकड़ों के अनुसार अंबिकापुर में यह दो डिग्री कम, रायपुर, बिलासपुर व दुर्ग में एक डिग्री कम, जबकि राजनांदगांव में यह पांच डिग्री अधिक और जगदलपुर में यह एक डिग्री अधिक चल रहा है।


नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

# वजन घटाने के लिए इन 5 तरीकों से करें एलोवेरा का सेवन, जल्द दिखेगा असर

एलोवेरा एक ऐसा प्राकृतिक घटक है, जिसमें मौजूद विटामिन-B मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर शरीर की वसा को जलाने में मदद कर सकता है। इस तरह से ये वजन घटाने में कारगर है। इसके अतिरिक्त कुछ शोध के अनुसार, आप वजन घटाने और मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसी समस्याओं के इलाज के लिए भी एलोवेरा का उपयोग कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि वजन घटाने के लिए एलोवेरा का सेवन किन-किन तरीकों से किया जा सकता है।

### भोजन करने से पहले करें एलोवेरा के जूस का सेवन

वजन कम करने के लिए आपको नियमित रूप से भोजन से लगभग 15 मिनट पहले एक चम्मच एलोवेरा जूस का सेवन करना चाहिए। ऐसा करने से आपका वजन तेजी से कम होने लगेगा। इससे पाचन को सुधारने और आंतों को स्वस्थ रखने में भी मदद मिल सकती है। इसके अतिरिक्त शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में प्रभावी हो सकता है। यहां जानिए एलोवेरा के फायदे और नुकसान।

### सब्जियों के जूस में एलोवेरा को मिलाकर पीएं

अगर आप सीधा एलोवेरा का सेवन नहीं कर पाते हैं तो इसे सब्जियों के जूस में मिलाकर पीएं। इस जूस को बनाने के लिए पुदीने के पत्ते, पालक, गाजर, लौकी और धनिया को पानी के साथ ब्लेंडर में ब्लेंड करें। इसके बाद इसमें थोड़ा एलोवेरा डालें, फिर जूस को छानकर एक गिलास में डालें। अब जूस में नींबू का रस, काला नमक और जीरा पाउडर मिलाकर इसका सेवन करें।

### गुनगुने पानी में एलोवेरा मिलाएं

आप रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच एलोवेरा जूस मिलाकर भी इसका सेवन कर सकते हैं। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो। यह मिश्रण तुरंत ही मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया बढ़ाने में मदद

करता है, जिससे कैलोरी कम होती है।यहां जानिए गर्म पानी के सेवन से मिलने वाले अन्य स्वास्थ्य लाभ।

### एलोवेरा में थोड़ा शहद मिलाएं

वजन कम करने के लिए आप एलोवेरा जूस को शहद के साथ मिलाकर भी सेवन कर सकते हैं। इसके लिए एक बड़ी चम्मच एलोवेरा में कुछ बूंदें शहद मिलाएं, इससे इसका स्वाद बेहतर हो जाएगा। इस मिश्रण के नियमित सेवन से शरीर में एंटीबॉडीज का निर्माण होता है, जिससे कई बीमारियों की रोकथाम में फायदा मिलता है। यह आपको किसी भी संक्रमण के नुकसान से जल्द राहत दिलाने में भी मदद कर सकते हैं।

### नींबू पानी में एलोवेरा मिलाएं

नींबू और एलोवेरा का मिश्रण भी वजन घटाने और पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक जग में पानी, नींबू का रस, एलोवेरा का गूदा, काला नमक, भुना जीरा पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें बर्फ के कुछ टुकड़े डालकर पीएं।यहां जानिए रोजाना एक गिलास नींबू पानी पीने के सेवन से मिलने वाले फायदे।

## हाई हील्स पहनने का शौक पड़ रहा है एड़ियों पर भारी, तो ना हों परेशान, आजमाएं ये टिप्स तुरंत मिलेगा आराम

यूं तो एड़ियों में दर्द होना आम समस्या है लेकिन कभी कभी ये दर्द बहुत बेहाल कर देता है। ज्यादा चलने, लंबे समय तक खड़े रहने खराब क्वालिटी के शूज, फ्लैट जूते या चप्पल की वजह से या फिर किसी चोट की वजह से जब एड़ियों में दर्द होता है तो इंसान का चलना फिरना मुश्किल हो जाता है।

पहले एड़ी का दर्द एड़ी के निचले हिस्से में होता है और अगर लापरवाही बरती जाए तो ये दर्द पूरे पैर में फैल जाता है। चूंकि एड़ी ऐसा अंग है जिस पर हमारे शरीर का पूरा भार टिका होता है और इसीलिए इसका स्वस्थ और दर्दरहित रहना जरूरी है वरना रोजमर्रा के कामकाज में दिक्कत आने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि एड़ी में दर्द का सही इलाज किया जाए। चलिए जानते हैं कुछ ऐसे टिप्स जिनकी मदद से आप एड़ी के दर्द यानी हील पेन से निजात पा सकते हैं।

कई बार गलत जूते पहनने पर एड़ी में दर्द होता है। ऐसे में जरूरी है कि हमेशा सही माप और सही क्वालिटी के जूते पहने। आपको ये

ख्याल रखना होगा कि आपके शूज सख्त नहीं बल्कि सॉफ्ट होने चाहिए। इससे एड़ी पर दबाव नहीं बनेगा। अगर आपको दिन में काफी लंबे समय के लिए खड़े रहना होता है तो आपके शूज कंफर्टेबल और सपोर्टिव होने चाहिए।

एड़ी का दर्द होने पर गर्म पानी की सिंकाई काफी आराम देती है। इससे एड़ी के साथ साथ मांसपेशियों को भी राहत मिलती है। आपको एक टब में गर्म पानी भर लेना है, इसमें थोड़ा सा नमक डालिए, अब पंद्रह से बीस मिनट के लिए इस पानी में पैर डालिए और अच्छी तरह सिंकाई कीजिए। इससे आपकी एड़ियों के दर्द में काफी राहत मिल जाएगी।

एड़ी के दर्द में मसाज भी काफी फायदा होता है। मसाज से एड़ियों का दर्द कम होता है और एड़ियों की अकड़न भी दूर हो जाती है। इसके लिए आपको शीशम का तेल चाहिए जो पंसारी की दुकान से मिल जाएगा। शीशम के तेल में सरसों का तेल और थोड़ा सा कपूर मिलाकर इससे एड़ियों की मसाज कीजिए।

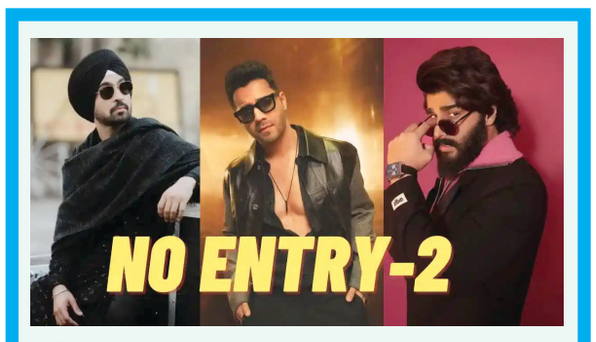


## नो एंट्री 2 में हुई दिलजीत, वरुण धवन और अर्जुन कपूर की एंट्री

अनीस बज्मी की रोमांस और कॉमेडी से भरपूर फिल्म नो एंट्री (2005) ने रिलीज के बाद धमाल मचा दिया था और दर्शकों को हंसाने में सफल रही थी। फिल्म में सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान की तिकड़ी शामिल थी, जिसे इसके सीक्वल में फिर से देखने की मांग की जा रही थी। अब प्रशंसकों के लिए खुशी की खबर आई है कि नो एंट्री 2 की शूटिंग जल्द शुरू होगी। हालांकि, इस बार इसमें नए सितारे शामिल होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, बोनी कपूर और जी स्टूडियोज ने नो एंट्री 2 पर साझेदारी करने के साथ ही सितारों का भी चयन कर लिया है। अनीस फिल्म में लेखक और निर्देशक की जिम्मेदारी संभालेंगे तो इस बार वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ दर्शकों को हंसी का डोज देंगे। सूत्र का कहना है कि तीनों सितारों को स्क्रिप्ट पसंद आई है और वे इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहानी के लिए अपनी सहमति दे दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, बोनी और अनीस पिछले 6 महीनों में कई बार वरुण, अर्जुन और दिलजीत से मुलाकात कर चुके हैं। सभी का मानना है कि दूसरा भाग कॉमेडी के मामले में पहले से बेहतर होगा। सूत्र ने कहा कि नो एंट्री 2 की स्क्रिप्ट ने सभी को उत्साहित कर दिया है और इसकी शूटिंग दिसंबर, 2024 में शुरू हो जाएगी। इसके अलावा अगले साल पहले भाग की रिलीज के 20 साल पूरे होने पर यह दर्शकों के बीच आएगी।

नो एंट्री में सलमान, अनिल और फरदीन के साथ ईशा देओल, सेलिना जेटली और लारा दत्ता मुख्य भूमिका में थीं। इसकी कहानी किशन (अनिल), प्रेम (सलमान) और सनी (फरदीन) की थी, जिसमें किशन अपनी पत्नी के प्रति वफादार रहता है तो प्रेम अपनी पत्नी को बार-बार धोखा देता है। इस सबके बीच प्रेम बॉबी नाम की एक लड़की से किशन को मिलवाता है, जिसके बाद कहानी में हंसी-मजाक के साथ उलझन पैदा होती है। इसे जी-5 पर देख सकते हैं। नो एंट्री 2 के लिए इन 3 अभिनेताओं के अलावा बाकी सितारों की कास्टिंग चल रही है, जिसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होगी। इस फिल्म से पहले वरुण वीडी 18 में नजर आएंगे तो उनके पास शशांक खेतान और डेविड धवन की फिल्में भी हैं। दिलजीत, परिणीति चोपड़ा के साथ फिल्म चमकीला का हिस्सा हैं तो उनकी झोली में द क्रू और जाट एंड जूलिएट 3 भी है। इसके अलावा अर्जुन 15 अगस्त को आने वाली सिंघम अगेन का हिस्सा हैं।

## मीरा देओस्थले ने कुछ रीत जगत की ऐसी है में अपनी साहसी भूमिका के बारे में किया खुलासा

**एक्ट्रेस मीरा देओस्थले जल्द ही अपकमिंग शो कुछ रीत जगत की ऐसी है में नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताने की जरूरत है। कुछ रीत जगत की ऐसी है की कहानी नंदिनी की इर्द-गिर्द घूमती है। यह शो हमारे समाज की प्रचलित दहेज संस्कृति पर प्रकाश डालता है, जिसमें नंदिनी मांग करती है, मुझे मेरा दहेज वापस चाहिए। मीरा का नंदिनी का चित्रण शक्ति के प्रतीक के रूप में कार्य करता है, जो महिलाओं के आत्म-सम्मान को अपमानित करने वाली सदियों पुरानी मान्यताओं को चुनौती देता है।**

इस किरदार को निभाने के बारे में बोलते हुए, मीरा, जो ससुराल सिमर का में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, ने कहा- मेरा मानना है कि यह एक ऐसी कहानी है जिसे बताने की जरूरत है, लोगों को हमारे समाज में मौजूद कुरीतियों पर सवाल उठाने की जरूरत है, और मैं ऐसे मजबूत उद्देश्य वाला किरदार निभाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि बेटियां प्यार के लिए होती हैं, दहेज के नाम पर नहीं, और यही वह स्थायी छाप है जो मैं इस शो में अपने किरदार के साथ बनाना चाहती हूं। मीरा ने कहा, नंदिनी को नहीं पता था कि उसकी शादी में दहेज दिया गया था, लेकिन यह शो एक सुखी वैवाहिक जीवन में होने के बावजूद उसकी साहसी यात्रा का अनुसरण करेगा, जिसमें वह अपने ससुराल वालों के खिलाफ खड़े होने का फैसला करती है और कहती है, मुझे मेरा दहेज वापस चाहिए। गुजरात पर आधारित यह शो 19 फरवरी से सोनी पर प्रसारित होगा।

## फिल्म फाइटर ने किया वर्ल्डवाइड 262 करोड़ रुपए का कलेक्शन

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर एरियल एक्शन फिल्म का जलवा पर्दे पर बरकरार है। फिल्म 25 जनवरी को थिएटर्स में रिलीज हुई थी और दस दिनों बाद भी हर रोज करोड़ों में कारोबार कर रही है। फिल्म ने ना सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्मेंस दी है बल्कि वर्ल्डवाइड भी जमकर कमा रही है। हालांकि वर्किंग डेज में फाइटर के कारोबार में अचानक कमी आई जो कि वीकेंड पर एक बार फिर बढ़ गई है।

बता दें कि वर्ल्डवाइड भी फाइटर बॉक्स ऑफिस पर खूब नोट छाप रही है और रिकॉर्ड बना रही है। महज 9 दिनों में ही फिल्म ने कुल 262 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। मेकर्स ने सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित फिल्म का पावर-पैक पोस्टर जारी कर दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 262 करोड़ के कलेक्शन की घोषणा की और लिखा, आप सभी के प्यार के साथ ऊंची उड़ान भर रहा हूं।

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पिछले 6 दिनों से फाइटर हर रोज 5 से 7 करोड़ की कमाई कर रही थी। लेकिन वीकेंड पर एक बार फिर फिल्म का कलेक्शन बढ़ गया है और शुरुआती आंकड़ों की मानें तो फिल्म ने दसवें दिन अब तक 10.05 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फाइटर का कलेक्शन 162.75 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं अगर फिल्म इस रफ्तार से आगे बढ़ती रही तो बहुत जल्द दीपिका और ऋतिक की फाइटर 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से वायाकॉम18 स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, फाइटर सिनेमाई प्रतिभा का प्रतीक है। यह फिल्म एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव का वादा करते हुए, दिल को छू लेने वाले एक्शन और देशभक्ति के उत्साह को सहजता से जोड़ती है।

## रकुल प्रीत सिंह ने रेड आउटफिट में बिखेरे हुस्न के जलवे

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपनी अदाकारी का जादू साउथ सिनेमा के साथ-साथ बॉलीवुड में भी खूब चलाया है। रकुल के चाहने वाले उन्हें हमेशा ही पर्दे पर देखने के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस भी अपने फैंस के साथ जुड़ने का कोई मौका नहीं छोड़तीं। ऐसे में रकुल सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। ऐसे में लगभग हर दिन फैंस के साथ अपने नए लुक्स शेयर कर दिलों की धड़कनें बढ़ाती रहती हैं। अब फिर से एक्ट्रेस ने अपनी स्टाइलिश अदाएं दिखाते हुए कुछ फोटोज शेयर की हैं।

लेटेस्ट फोटोशूट में रकुल को रेड स्कर्ट और मैचिंग ब्रालेट टॉप पहने हुए देखा जा रहा है। एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड शिमरी लिप्स और मिनिमल आई मेकअप से कंप्लीट किया है।

इसके साथ उन्होंने अपने बालों को ओपन रखा हुआ है। रकुल ने अपने इस लुक के साथ एक्सेसरीज के तौर पर गोल्ड हूप ईयररिंग्स और गोल्ड के ब्रेसलेट कैरी किए हैं।

इस लुक में रकुल बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। अब एक्ट्रेस के चाहने वालों के बीच उनका ये नया लुक काफी पसंद किया जा रहा है। फैंस उन पर प्यार लुटाते हुए खूब कमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, कुछ ही देर में उनकी तस्वीरों पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ते ही जा रहे हैं। दूसरी ओर रकुल के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस लगातार कई प्रोजेक्ट्स के लिए साइन कर रही हैं। जल्द ही उन्हें फिल्म इंडियन 2 में देखा जाने वाला है। इसके बाद रकुल मेरी पत्नी के रीमेक में भी नजर आएंगी। फैंस उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

## खास खबर

### अयोध्या से पधारे साधु-संत, सप्तदेव मंदिर में हुआ सम्मान

**कोरबा।** अंचल के सीतामणी क्षेत्र में स्थित श्रीसप्तदेव मंदिर कोरबा में 3 फरवरी को प्रात: 11.00 बजे के लगभग अयोध्या से पधारे साधु-संतों का मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी अशोक मोदी ने फूल-माला, श्रीफल एवं शाल से भव्य स्वागत-सत्कार किया, जिससे गद्-गद्सा धुओं ने उन्हे आर्शीवाद दिया। मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी अशोक मोदी ने 22 जनवरी को अयोध्या में हुए श्रीरामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बारे में उनसे विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर ऐसा अदभुत दृश्य देखने को मिला उसका वर्णन शब्दों में संभव नही, गुजरात के बडोदरा से आयी 108 फीट लम्बी अगरबत्ती, 21 टन की अष्ट धातु से निर्मित विशाल धण्टा, प्रभु श्रीराम के अभिषेक हेतु नेपाल के सभी पवित्र नदियों का भेजा गया जल तथा ओर भी अन्य नाना प्रकार के उपहार जिन्हे देखकर आश्चर्य होता है। उन्होने भगवान की नगरी अयोध्या में घटी कुछ आश्चर्यजनक घटना का भी वर्णन भी किया जैसे जामवंत की उपस्थिति, 3 वानरों की उपस्थिति इत्यादि के बारे में भी बताया। कुछ समय पश्चात साधु-संत को विदा करते समय अशोक मोदी ने उन्हे कृष्णा हुण्डई के सौजन्य से निर्मित प्रभु श्रीरामलला के रामरथ के दर्शन कराये एवं उन्हे कंबल वितरित कर इस ठंड से राहत देने का कार्य किया।

### 22वीं छग स्टेट मास्टर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप का महामुकाबला 7 से

**कोरबा।** जिले की कमान संभाल रहे आईएएस-आईपीएस अधिकारियों की अगुआई में 7 फरवरी को योनेक्स सनराइज 22वीं छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप 2023-24 के महामुकाबलों का आगाज होगा। 11 फरवरी तक चलने वाले इस स्टेट चैंपियनशिप का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला की अध्यक्षता में कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत (आईएएस) बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। नगर निगम निहारिका के सुभाषनगर ऑफिसर्स कॉलोनी स्थित भव्य एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना में प्रातरू 10 बजे आयोजित होगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संबित मिश्रा व नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रुप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफइंडिया की गाइडलाइन का अनुसरण करते हुए यह प्रतियोगिता कोरबा जिला बैडमिंटन संघ के तत्वावधान आयोजित की जा रही है। एसोसिएशन की टीम जोर-शोर से तैयारियों में जुटी हुई है। बैडमिंटन के अंतर्राष्ट्रीय पैमानों पर खरा उतरते नगर निगम आवासीय परिसर स्थित एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना के सर्वसुविधायुक्त डबल कोर्ट में मास्टर्स ग्रुप के अतिवरिष्ठ खिलाडियों के बीच पांच दिनों तक धुआंधार मुकाबलों का सिलसिला देखने को मिलेगा। उत्साह और रोमांच के साथ अपनी क्षमता आंकलन और प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा के आगाज का इंतजार खेल प्रेमी बड़ी बेसब्री से कर रहे हैं। सचिव गोपाल शर्मा सहित एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी व सदस्यों ने अधिक से अधिक संख्या में खेल प्रेमियों को उपस्थिति दर्ज कराते हुए खिलाडियों का उत्साहवर्धन करने अपील की है।

# बजट सत्र से तय होगी प्रदेश के विकास की दिशा : डॉ. रमन सिंह

श्रीकंचपनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की षष्ठम विधान सभा का द्वितीय सत्र (बजट सत्र) 5 फरवरी से 1 मार्च तक आहूत किया गया है। छत्तीसगढ़ के षष्ठम विधानसभा का द्वितीय सत्र, नव वर्ष 2024 का प्रथम विधानसभा सत्र है, यह सत्र कई मायनों में बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है। इस दौरान उन्होंने आगामी बजट सत्र को लेकर जानकारी दी साथ ही छत्तीसगढ़ विधानसभा में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने की बात कही।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की नई सरकार का बजट भी इस सत्र में प्रस्तुत होने जा रहा है और सरकार के बजट के अनुसार प्रदेश के विकास की दिशा तय होती है। साथ ही केंद्र सरकार के अंतरिम बजट को लेकर उन्होंने कहा कि हाल ही में केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का 47 लाख करोड़ रुपए से अधिक (47.66 लाख करोड़) का अंतरिम बजट आया है। इस बजट में अंत्योदय की भावना, विकसित भारत का संकल्प और नई सदी का आत्मनिर्भर भारत साफ़ दिखाई दे रहा है।

विधानसभा में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने को लेकर उन्होंने कहा कि देश अब विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, ऐसे में हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा भी नई तकनीकों और कुछ नई परंपराओं से जुड़कर एक विकसित विधानसभा के रूप में अपनी पहचान स्थापित करे। विधानसभा में हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे कि सदन को पेपरलेस बनाया जाए। पेपरलेस होने से सदन के कामकाज में सहूलियत होगी, इससे कागज की भी बचत होगी और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता होगी।

इसके आलावा उन्होंने बताया कि वर्तमान में आमजनों से विधानसभा से सीधे जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा की वेबसाइट और मोबाइल एप संचालित है जिनपर दैनिक कार्यसूची, प्रश्नोत्तरी, सभा की कार्यवाही, विधायकों-पूर्व विधायकों के पते, सदस्यों को प्रदाय की जा रही सुविधायें, सभा में उनकी उपस्थिति पत्रक एवं अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएँ उपलब्ध करायी जाती हैं।

डॉ. रमन ने कहा कि छत्तीसगढ़ 2025 में 25 वर्ष का होने जा रहा है और हमारा प्रयास होगा कि जब हमारा छत्तीसगढ़ 25 वर्ष का हो तो हम नए विधानसभा में प्रवेश कर जाएं। बजट सत्र की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पहले निधन उल्लेख किया जायेगा जिसके बाद वित्तीय वर्ष 2023-24 के तृतीय अनुपूरक अनुमान का उपस्थापन, चर्चा एवं पारण की कार्यवाही होगी। वित्तमंत्री ओपी चौधरी वर्ष 2024-25 के आय व्ययक का उपस्थापन करेंगे। जिसका दूरदर्शन, रायपुर (छ.ग.) एवं आकाशवाणी, रायपुर (छ.ग.) से सीधा प्रसारण किया जायेगा।

इसके पश्चात् तिथिवार वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक पर सामान्य चर्चा एवं विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा होगी। विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा एवं मांगों का प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद निर्धारित तिथि को आय-व्ययक की मांगों से संबंधित विनियोग विधेयक पर चर्चा एवं पारण होगा। अभी तक शासकीय विधि-विषयक कार्यों के अंतर्गत प्राप्त हुई विधेयकों की जानकारी भी विधानसभा अध्यक्ष ने दी जिसमें, छत्तीसगढ़ सिविल न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2024, छत्तीसगढ़ राजीम माघी पुन्नी मेला (संशोधन) विधेयक, 2024 और छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2024 शामिल है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि इस सत्र के लिए सदस्यों से 2 फरवरी पूर्वान्ह की स्थिति में प्राप्त प्रश्नों की कुल 2262 सूचनायें प्राप्त हुई है, इनमें तारांकित प्रश्नों की कुल संख्या 1134 है एवं अतारांकित प्रश्नों की कुल संख्या 1128 है।

#### ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की 10 सूचनायें प्राप्त हुई

बजट सत्र के लिए सदस्यों से प्रश्न प्राप्त करने की अंतिम तिथि 8 फरवरी तक निर्धारित की गई है। अभी तक सदस्यों से कुल ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की 10 सूचनायें, नियम 139 के अधीन अवलंबनीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा के लिए 1 सूचना, अशासकीय संकल्प की कुल 05 सूचनायें प्राप्त हुई हैं। बजट सत्र के लिए अभी तक शून्यकाल की 6 सूचनायें एवं याचिका की 10 सूचनायें भी प्राप्त हुई है।

# निजात को जन आंदोलन बनाने की जरूरत : अरुण साव

श्रीकंचपनपथ न्यूज

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव और बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने नशे के विरुद्ध बिलासपुर पुलिस द्वारा संचालित निजात अभियान के एक वर्ष पूरे होने पर कृषि महाविद्यालय ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। बेलतरा विधायक शुक्ला ने अभियान अंतर्गत कोनी थाना परिसर में निजात कक्ष निर्माण के लिए विधायक निधि से 5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

अरूण साव ने मुख्य अतिथि की आसंदी से अपने संबोधन में कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इससे परिवार तबाह होते हैं, दुर्घटनाएं होती है। बहुत सी समस्याएं जन्म लेती है। जरूरत है इस नशे के विरुद्ध जारी इस अभियान को जन आंदोलन बनाने की। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने अभियान की सराहना की। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से हमेशा दूर रहें। अभियान को सहगोग देते हुए शुक्ला ने विधायक निधि से कोनी थाने में निजात कक्ष के लिए 5 लाख की सहायता प्रदान की स्वीकृति दी।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्विद्यालय के कुलपति अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने कहा कि विभाग का यह प्रयास सामाजिक जन चेतना के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

कार्यकम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने निजात अभियान के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान के लिए सभी का सहयोग प्राप्त हुआ जिसके कारण ये अभियान सफल हुआ। सिंह ने कहा कि नशा अपराध की जड़ है और विभाग का ये प्रयास नशे के साथ अपराध की रोकथाम की दिशा में बढ़ाया गया कदम है। ब्रम्हकुमारी मंजू दीदी, एएसपी श्रीमती अर्चना झा,कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य आरकेएस तिवारी इस अवसर पर मंचस्थ थे। कार्यकम में बड़ी संख्या में सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि थे जिनकी भूमिका कार्यकम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण रही।

संस्था प्रतिनिधियों को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे से दूर रहने की सीख दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेल संघ के सदस्य,छात्र छात्राएं और एनएसएस के स्वयं सेवक के साथ नागरिकों की उपस्थिति रही।

## राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए ग्राम स्तर पर लगाए जायेंगे शिविर

श्रीकंचपनपथ न्यूज

**महासमुंद।** कलेक्टर प्रभात मलिक ने सभी अनुभागीय अधिकारियों एवम तहसीलादारों को हल्का पटवारी स्तर पर ग्रामवार शिविर लगाकर राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांवो में मुनादी कराकर शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करें। महासमुंद अनुविभागीय अधिकारी उमेश साहू ने महासुमन्द अंतर्गत बी.1 पठन पाठन / अन्य कार्य हेतु 5 फरवरी से शिविर आयोजन करने ग्राम तिथिवार सूची जारी की है। उन्होंने समस्त हल्का पटवारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिनस्थ ग्रामों के कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराकर निर्धारित तिथी में आयोजित शिविर में बी.1 पठन पाठन एवं अपने दायित्व से संबंधित कार्य कराएं। साथ ही अविवादित नामांतरण एवं बंटवारा के मामलो की ऑनलाईन भूईया में दर्ज करना,नवीन ऋणपुस्तिका बना कर प्रदाय करना, भू-अभिलेखो की नकल प्रदाय करना,नक्शा बटांकन एवं सीमांकन हेतु आवेदन प्राप्त कर निराकरण करना,जाति प्रमाण हेतु वशांवली तैयार कर प्रदाय करना एवम राजस्व से संबंधित अन्य कार्य संपादित करना सुनिश्चित करे।

महासमुंद अनुविभाग में जारी सूची के अनुसार 5 फरवरी को निम्न ग्रामों में शिविर लगाया जाएगा। बडगांव, मचेवा, बरोण्डाबाजार, पिटियाझर, बिरकोनी, परसदा, झारा, नायकबांधा ,झालखम्हरिया, कौदकरा, खैरझिटी, मालीडीह, अछरीडीह, अछोली, नांदगांव, बम्हनी, बेमचा, बेलसोण्डा, भलेसर, लभराखुर्द, मोगरा, बकमा, खटटी, डुमरपाली, ढाक, दुरीडीह, तुरंगा, छिन्दौली, छिन्दपान, मुनगासेर, पचरी, नरतोरा, भटगांव, अचानकपुर, कछारडीह, रायतुम, सिनोधा, बरेकेल, नवागांव, तोरला, खट्टा, रामखेडा, बावनकेरा, पासीद, सिरपुर, गढसिवनी, गोपालपुर, खडसा में लगाया जाएगा। 6 फरवरी को भी शिविर लगाया जाएगा। इसी तरह ग्राम स्तर पर प्राप्त आवेदनों का निराकरण पश्चात तहसीलदारों द्वारा ग्राम पंचायतो में 1 मार्च से शिविर लगाए जायेंगे।

# जनता के आशीर्वाद से लोकसभा की 11 सीट जीतना है : विष्णुदेव साय

श्रीकंचपनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ भाजपा की लोकसभा क्लस्टर प्रभारी, सह प्रभारी, लोकसभा चुनाव प्रबंधक कमेटी सह प्रभारी संयोजक, सह संयोजक एवं जिलाध्यक्ष की लोकसभा चुनाव कार्यशाला बैठक रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संपन्न हुई।

राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव की तैयारी हेतु आप सभी को जो जिम्मेदारी दी गई है उन जिम्मेदारियां को प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक जाकर पूरा करना है। हर कार्यकर्ताओं को अपनी-अपनी जिम्मेदारी को विधानसभा चुनाव की तरह आगामी लोकसभा चुनाव में भी करनी है। संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं ने जो परिश्रम किया है उसका सार्थक प्रतिफल हमें मिला है और यही परिश्रम हमें आगे भी जारी रखनी है। हमें समन्वय बनाकर काम करना है अधिक से अधिक लोगों को भाजपा की विचारधारा से जोड़ना है इसके साथ ही संगठन के द्वारा जो भी दायित्व दिया गया है उन दायित्वों को सभी को पूरा करना है। उन्होंने कार्यशाला में आए सभी लोगों अभी तक किए कार्यों की बिंदुवार जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रत्येक लोकसभा प्रभारी से विधानसभा वार विगत वर्षों के हार जीत की जानकारी प्राप्त कर समीक्षा की ।

उन्होंने निर्देश दिया कि क्लस्टर प्रभारी लोकसभा स्तर तक और लोकसभा प्रभारी विधानसभा स्तर तक जाकर और लोकसभा संयोजक मंडल स्तर तक जाकर कमजोर क्षेत्र चिह्नित कर वहां बूथों का सशक्तिकरण करने की ओर ज्यादा ध्यान देना है।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है हमें प्रत्येक कार्यकर्ताओं को उनकी योग्यता अनुसार कार्य विभाजन करना है जिससे वे सभी धार्मिक, सामाजिक, स्व सहायता समूह, तक पहुंचे बूथों में लाभार्थी सम्मेलन करवाये वह बूथ सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व में आदेश किया है कि हमें 10त्न अधिक वोट बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चलना है । उन्होंने कहा सभी का काम टीम वर्क के साथ होगा तभी क्लस्टर के क्रियान्वयन की सार्थकता है।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज पार्टी ने जो आप सभी को दायित्व दिए हैं उसके लिए आप सभी को बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में हमें जनता के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ की सभी 11 की 11 सीट जीतकर मोदी जी को देना है ताकि देश में एक बार फिर मोदी जी के नेतृत्व में जनता की सेवा के लिए भाजपा की सरकार बने। उन्होंने कहा कि लोकसभा के महासमर के लिए आप सभी योद्धा तैयार हो जाये। मोदी जी के 10 वर्षों के कार्यकाल में आज देश ने विकास की नए आयाम गढ़े हैं। मोदी जी पर जनता का विश्वास बढ़ा है। केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर हमें आगामी लोकसभा चुनाव में जनता तक जाना है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनते ही मोदी की गारंटी को पूरा करने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। पहली ही कैबिनेट की बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास जो पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने रोक रखी थी उन्हें बनाने की घोषणा कर दी गई है। 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के अवसर पर पिछले दो वर्षों के धान का बकाया बोनस का वितरण किसानों को कर दिया गया है।

# महतारी वंदन योजना, कलेक्टर ने ली आकस्मिक बैठक

श्रीकंचपनपथ न्यूज

अंबिकापुर। कलेक्टर विलास भोस्कर की अध्यक्षता में रविवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में शासन की महत्वाकांक्षी योजना महतारी वंदन योजना के क्रियान्वयन हेतु बैठक आयोजित की गई। इससे पूर्व योजना के क्रियान्वयन के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सुपरवाइजर और परियोजना अधिकारियों को योजना और उनके उत्तरदायित्वों की विस्तृत जानकारी देते हुए जरूरी प्रशिक्षण भी दिया गया।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश में महतारी वंदन योजना 1 मार्च 2024 से लागू की जाएगी। 5 फरवरी 2024 को ऑनलाईन व ऑफ्लाईन आवेदन का पंजीयन प्रारंभ होगा। प्रथम चरण में 20 फरवरी तक आवेदन लिए जा रहे हैं। इसके आगे भी योजना जारी रहेगी और आवेदन की प्रक्रिया जारी रहेगी। योजनांतर्गत पात्र महिला को प्रतिमाह 1000 रूपए का भुगतान उनके स्वयं के आधार लिंक डीबीटी आधारित बैंक खाते में किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर भोस्कर ने कहा कि शहरी क्षेत्र में प्रभारी नगर निगम आयुक्त और ग्रामीण क्षेत्रों में एसडीएम व सीईओ जनपद पंचायत, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए योजना का बेहतर क्रियान्वयन जिले में सुनिश्चित करें। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत सचिव और पर्यवेक्षक आवेदन लेने से लेकर ऑनलाइन पंजीयन की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

इस कार्य में परियोजना अधिकारी भी सहयोग करेंगे। उन्होंने नगर निगम आयुक्त, सीईओ जनपद पंचायत और सीएमओ नगर पालिका परिषद को निर्देशित किया है कि योजना से संबंधित समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को योजना के क्रियान्वयन और अनुश्रवण से संबंधित प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से दिलाना सुनिश्चित करें। जिले में योजना के क्रियान्वयन हेतु शासन के निर्देशानुसार आवश्यक समितियों का गठन भी कर लिया गया है। इसमें जिला स्तरीय, जनपद पंचायत, नगर निगम और नगर पालिका परिषद स्तरीय समिति का गठन किया गया है। योजना का लाभ लेने हेतु आवश्यक दस्तावेजों को उपलब्ध कराने कलेक्टर ने सीईओ जनपद को सचिवों की बैठक लेकर प्रशिक्षण देने निर्देशित किया है। आवेदन फॉर्म ग्राम पंचायत, आंगनबाड़ी केंद्र, वार्ड कार्यालय सहित परियोजना कार्यालय में भी उपलब्ध रहेंगे। जिले में महतारी वंदन योजना के क्रियान्वयन तथा हितग्राहियों के समस्याओं के निराकरण हेतु जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग में 24×7 संचालित कंट्रोल रूम का गठन किया गया है। कंट्रोल रूम का नंबर 8817462775 है जिसपर जानकारी हेतु संपर्क किया जा सकता है।

कंट्रोल रूम में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है जिसमें प्रात: 08 बजे से दोपहर 02 बजे तक कंप्यूटर ऑपरेटर सबीना खातून, दोपहर 02 बजे से रात 08 बजे तक सहायक ग्रेड 02 कमल किशोर तिर्की और रात 08 बजे से प्रात: 08 बजे तक सहायक ग्रेड 03 करन किशोर की ड्यूटी लगाई गई है।

## खास खबर

### राजधानी में चाकू से युवक पर ताबड़तोड़ हमला, पुरानी रंजिश में दो युवकों ने दिया वारदात को अंजाम

**रायपुर।** राजधानी के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में दो युवकों ने एक युवक पर पुराने विवाद के चलते चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का इलाज अस्पताल में जारी है। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उन पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार एक वर्ष पहले जय और आरोपितों के बीच विवाद हुआ था, जिसका बदला लेने की नीयत से उन्होंने जानलेवा हमला कर दिया।

तेलीबांधा थाने में पीड़ित की मां रेणु नेताम ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट के अनुसार शनिवार शाम पीड़ित जय नेताम को प्रत्यूष बल्थरे ने फोन करके कैनाल रोड यात्री प्रतीक्षालय के पास बुलाया। फोन करने पर जय वहां पहुंच गया। यात्री प्रतीक्षालय में प्रत्यूष बल्थरे और रोशन मरकाम पहले से मौजूद थे। वे पुरानी बात पर विवाद करने लगे।

इसी दौरान उन्होंने एक राय होकर हत्या करने की नीयत से चाकू से जय के पेट, चेहरा सहित 10-12 जगह वार कर दिया। हमला करने के बाद आरोपित वहां से युवक को मरा हुआ समझकर फरार हो गए। इसके बाद वहीं के एक युवक ने फोन करके इसकी सूचना जय के घरवालों को दी। घरवाले खून से लथपथ जय को तत्काल अस्पताल ले गए। इसके बाद थाने में इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने मामले में दोनों आरोपितों रोशन मरकाम और प्रत्यूष बल्थरे को गिरफ्तार कर लिया है।

### चरित्र शंका पर पत्नी की हत्या कर पति ने लगा ली फांसी

**अंबिकापुर।** बलरामपुर जिले के शंकरगढ थाना क्षेत्र के मनोहरपुर में पत्नी की हत्या कर आरोपित पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। चरित्र शंका पर पत्नी की हत्या के बाद आरोपित पति घर से भाग गया था। पुलिस उसकी खोजबीन कर रही थी। इसी बीच उसकी लाश पेड़ पर लटकी मिली।

शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मनोहरपुर के आश्रित ग्राम मदपुर पाठ निवासी अंधरु राम नगेशिया (40) पत्नी लक्ष्मनिया व बेटी के साथ रहता था। वह पत्नी के चरित्र पर शंका करता था। उसे संदेह था कि पत्नी के दूसरे से संबंध हैं। घटना दिवस गुरुवार को उसकी बेटी नजदीक में रहने वाली दादी के यहां सोई हुई थी। घर में पति-पत्नी ही थे। सुबह जब बेटी घर पहुंची तो देखा कि उसकी मां की लाश पड़ी है। गले में स्टाल फंसा हुआ था। उसने स्वजन को जानकारी दी। सूचना पर पुलिस पहुंची थी। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखकर अनुमान लगाया जा रहा था कि पति ने रात को पत्नी की उसके ही स्टॉल से गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस धारा 302 के तहत अपराध पंजीकृत कर आरोपी की खोजबीन में जुटी हुई थी। इसी दौरान अंधरु राम का शव गांव से लगे नदी के पास आम के पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका मिला।

# बैंक लोन दिलाने के नाम किसान से ठगी, बदमाशों ने खाते से पार किए रुपए, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जांजगीर-चाम्पा।** छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में किसान से बैंक लोन दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। तीन बदमाशों ने किसान को झांसा दिया और ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर करा लिए। इसके बाद उसके खाते से एक लाख 80 हजार रुपए पार कर दिया। इस मामले में किसान की शिकायत पर पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गिरफ्तार आरोपियों में हेमंत कुमार भारद्वाज (28) निवासी तिफरा बिलासपुर, जितेन्द्र प्रताप बघेल (33) निवासी बेंदरकोना थाना रामपुर जिला कोरबा तथा दीपक कुार टण्डन (22) साल निवासी सेवार थाना चकरभांठा बिलासपुर शामिल हैं। तीनों के खिलाफधारा 420, 34 के तहत कार्रवाई की गई। मामला अकलतरा थाने का है।

इस मामले में पिपरसत्ती थाना अकलतरा निवासी शांति लाल सोनवानी (50) शनिवार को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि 24 जनवरी 2024 को दोपहर 3 बजे दो अज्ञात व्यक्ति उसके घर आए। दोनों ने कहा कि चांपा एसबीआई के सामने लिटिल फायनेंस बैंक के नाम से ऑफिस है। दोनों ने कहा कि वे जमीन के दस्तावेज के आधार पर सालाना 8 फीसदी की ब्याज पर 5 से 6 लाख रुपए तक का लोन दे देंगे।

शांतिलाल उनके झांसे में आ गया और जमीन का दस्तावेज की फोटो कापी उनको दे दी। साथ ही उसने जिला सहकारी बैक का ब्लेंक चेक हस्ताक्षर किया हुआ भी दे दिया। शांतिलाल ने बताया कि 29 जनवरी को मंडी में धाम बेचा था जिसकी बिक्री रकम 1,94,723 रुपए उसके खाते में जमा हुए। इसी दिन दोपहर 1.11 बजे उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि उनके खाते से 1,80,000 रुपए कट गए। यह रकम जितेन्द्र बघेल नाम के खाताधारक के अकाउंट में जमा हुए। इस मामले में शांतिलाल की शिकायत पर पुलिस ने धारा 420 के तहत अपराध दर्ज जांच शुरू की।

### ठगों में झांसे में आने से बचे किसान

इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अपील करते हुए कहा कि वर्तमान में धान खरीदी बिक्री का सीजन चल रहा है किसानों द्वारा पैसा आहरण करने के लिए बैंक जाते हैं। उनके गांव तथा शहर क्षेत्र में कोई व्यक्ति लोन दिलाने संबंधी एवम अन्य प्रकार की पैसे दिलाने या डबल करने करने का लालच देकर बातचीत करता है विश्वास दिलाता है तो संदिग्ध व्यक्ति सूचना तत्काल पुलिस को स्वयं या ग्राम सरपंच कोटवार तथा अन्य किसी के माध्यम से देवे, कृपया सावधान रहे सजग रहे ।

### खाते के जरिए आरोपियों तक पहुंची पुलिस

जांच के दौरान पुलिस ने खाताधारक जितेन्द्र बघेल को सायबर सेल की मदद से हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर बताया कि हेमंत कुमार भारद्वाज, दीपक टंडन एवम अन्य साथी के साथ एक शादी के क्रार्यक्रम में मिलने पर खाते में पैसा डालने का लालच दिया जिसमें कमीशन देने की बात हुई। कमीशन के लालच में उसने खाता उधार दे दिया। इसके बाद पुलिस ने हेमंत भारद्वाज दीपक टंडन से पूछताछ पर अपने दो अन्य साथी के साथ मिलकर गांव-गांव जाकर लोगो को केसीसी, गृह निर्माण, पशर्नल लोन दिलाने के नाम पर उनके जमीन का बी-1, खसरा, आधार कार्ड, पेन कार्ड, तथा ब्लेंक चेक लेकर उनके खाते का 06 माह का स्टेटमेंट उन्ही से निकलवाकर बैलेंस राशि को उन्ही के चेक के माध्यम से निकाल कर आपस मे बांट लेते थे। इसके बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस पूरी कार्रवाई में तुलसिंह पट्टावी थाना प्रभारी अकलतरा एवं निरीक्षक प्रवीण द्विवेदी सायबर सेल प्रभारी, एएसआई रामप्रसाद बघेल, प्रधान आरक्षक बलबीर सिंह, राजकुमार चन्दा, विवेक सिह, आरक्षक गिरीश कश्यप, रोहित कहरा, महिला प्रधान आरक्षक अनिता पाटले, महिला आरक्षक अंजना लकडा एवं थाना एंव साइयबर टीम का सराहनीय योगदान रहा।

# अर्थी सहित शव को उठा ले गई पुलिस, देर रात हुई थी युवक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** छावनी थाना क्षेत्र के नेहरू चौक कैंप-1 में युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। रविवार की सुबह घर वाले युवक का अंतिम संस्कार करने की तैयारी में थे। इस दौरान मोहल्ले से किसी ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। कंट्रोल रूम से लोकेशन मिलने के बाद छावनी थाना पुलिस ने अर्थी के साथ शव को सुपेला शास्त्री अस्पताल लेकर पहुंची। यहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

इस मामले में पुलिस का कहना है कि कैंप-1 नेहरू चौक निवासी अमरदास बघेल (35) की संदिग्ध मौत की सूचना मिली थी। परिजन उसका अंतिम संस्कार करने की तैयारी कर रहे थे इस बीच शव को पीएम के लिए शास्त्री अस्पताल ले जाया गया। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत की असल वजह सामने आएगी और इसके बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

इधर इस मामले में परिजनों का कहना है कि अमरदास बघेल शराब पीने का आदी है और रोज घर पर शराब के नशे में आता है। शनिवार रात को भी वह शराब के नशे में घर पहुंचा था। नशे के कारण वह घर में गिर गया और इससे उसे सिर पर चोट आई। परिजनों ने बताया कि उन्हें लगा कि नशे के कारण ऐसा हुआ है। इसके बाद परिजनों ने उसे उसी हालत में बस्तर पर सुला दिया। आधीरात लगभग 12 बजे जब परिजन उसे देखने पहुंचे तो उसका शरीर ठंडा पड़ चुका था। तब तक अमरदास की मौत हो चुकी थी। इसके बाद रविवार की सुबह वे उसका अंतिम संस्कार करने की तैयारी में थे और इसी दौरान पुलिस पहुंच गई।

# नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, सभी जवान सुरक्षित, फंसाने के लिए बनाए स्पाइक होल

**कांकेर।** कांकेर के परतापुर इलाके के वट्टेकाल क्षेत्र में जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया। ब्लास्ट के बाद सभी जवान सुरक्षित हैं। नक्सली पहाड़ी जंगलों की आड़ लेकर भाग गए। मौके से कुकर बम व अन्य नक्सल सामग्री जवानों ने बरामद की है। वहीं, छोटे बेठिया थाना क्षेत्र के जंगलो में नक्सलियों के द्वारा जवानों को स्पाइक होल में फंसाने की साजिश रची गई थी। नक्सल सर्चिंग के दौरान जवानों को पत्तों से ढके 20 गड्ढे मिले हैं। सभी गड्ढे नक्सली

स्पाइक होल बनाने के लिए खोदे थे।

नक्सली जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए जंगलो में गड्ढे खोदकर स्पाइक होल बनाते हैं। स्पाइक होल में नक्सली लोहे के पुराने छड़, रॉड और बांस को छीलकर रखते हैं। ऊपर से इसे झाड़, पत्तों से या फिर छोटे-छोटे पेड़ के डंगालों से या बांस की बनी चटाई से ढंक देते हैं। सर्चिंग के दौरान इस गड्ढे में जवानों के पैर पड़ते ही जवान वहां गिर जाते हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में दंतेवाड़ा पुलिस को सर्चिंग के दौरान दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा पर एक सुरंग का पता लगा था। जानकारी के अनुसार, इस सुरंग में करीब 100 नक्सलियों के छुपने की जगह है। यह 10 फीट गहरी, तीन फीट चौड़ी और 80 मीटर लंबी थी। जवानों को इस जगह कई स्पाइक होल भी मिले थे।

# उठाईगिरी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, 7 लाख के जेवर बरामद

### ■ सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई तस्वीरें

**धमतरी (ए)।** धमतरी जिले के बेलरगांव बाजार में एक ज्वेलर्स से उठाई गिरी करने वाले एक नाबालिग सहित दो आरोपी को सिहावा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 7 लाख रुपये कीमत की चांदी के गहने को बरामद किया है। बताया जा रहा है कि बिरगुडी निवासी चिराग गोलछा सोने चांदी के गहनों का व्यापारी है जो 18 जनवरी को सिहावा थाना क्षेत्र के ग्राम बेलरगांव बाजार गहने बेचने के लिए गया था। बाजार समाप्त होने के बाद दुकान बंद किया और करीब 10 किलो चांदी के गहने को एक पेटी में रखने के बाद बाथरूम चला गया। जब वापस आया तो पेटी वहां से गायब था, जिसके बाद व्यापारी ने इसकी सूचना तत्काल सिहावा थाने में दी।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को जांच किया जिसमें दो युवक बाइक में चांदी के पेटी को ले जाते हुए दिखे। वहीं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। इस दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की एक युवक सांकरा में चांदी के

गहने बेचने के लिए दुकान का पता पूछ रहा है। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और नाबालिग युवक को हिरासत में लेकर थाना लेकर आई।

पूछाताछ में नाबालिग ने बताया कि अपने साथी व मुख्य आरोपी गुरू नेताम, सचिन नेताम, रोशन नेताम व सिद्धू राव के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया है। वहीं पुलिस ने चोरी का माल रखने पर नाबालिग के पिता कलिंगा ध्रुव को गिरफ्तार किया है। जबकि इस मामले में एक आरोपी की मौत हो चुकी है। साथ ही मुख्य दो आरोपी फरार है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

# सूर्या मॉल के पास पब्लिक प्लेस में शराब पीना पड़ गया भारी, पुलिस ने लगाई रइसजादों की क्लास

**भिलाई।** रात्रि गश्त के दौरान सुपेला थाना व स्मृति नगर चौकी पुलिस ने सूर्या मॉल के पास आधी रात को पब्लिक प्लेस में शराब पी रहे रइसजादों की क्लास लगाई। मॉल के सामने सड़क पर खुले आम शराब पी रहे इन युवकों की शिकायत गश्त पर निकली पुलिस को मिली। फिर क्या था पुलिस ने घेराबंदी की और शराब पी रहे युवकों को घेर लिया। अपनी ही धुन में शराब खोरी कर रहे युवकों की जमकर क्लास ली और इनसे उठक बैठक भी करवाई।

बता दें सूर्या मॉल के पास आधी रात के बाद भी पब्लिक प्लेस पर शराब खोरी करने की शिकायत पुलिस को लगातार मिल रही थी। इसी कड़ी में एसपी राम गोपाल गर्ग के निर्देश पर पुलिस ने रात्रि गश्त तेज की। शनिवार की रात को सुपेला थाना व स्मृति नगर चौकी की पुलिस गश्त कर रही थी। इस दौरान मुबी देखकर लौट रही कुछ महिलाओं ने गश्ती दल को बताया कि मॉल के बाहर पब्लिक प्लेस में कुछ लोग शराब पीकर हुल्लड़ कर रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस ने इन युवाओं की घेराबंदी शुरू की। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो वहां कारें खड़ी थी और युवक शराब पी रहे थे। पुलिस को देखकर युवकों का शराब का नशा फूर्र हो गया। पब्लिक प्लेस में शराब पी रहे युवकों को पुलिस ने जमकर लताड़ लगाई। इस दौरान सभी पुलिस के सामने माफी मांगते दिखे। पुलिस ने इस दौरान 6 युवकों पर पब्लिक प्लेस में शराब पीकर हुल्लड़ करने के अपराध में धारा 185, 36 (4) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की। सभी युवकों को थाने लाया गया और यहां से जमातन मुचलके पर छोड़ा गया।

## तेज रफ्तार ट्रक ने आठ गायों को रौंदा, दो की मौत

**कबीरधाम।** कबीरधाम में रविवार की सुबह करीब 10.30 बजे कवर्धा-सिमगा नेशनल हाईवे में एक तेज रफ्तार ट्रक ने आठ गाय को रौंद दिया। इस हादसे में दो मवेशियों की मौत हो गई है। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण आक्रोशित हो गए व हाईवे में जाम लगा दिए। घटना ग्राम दशरंगपुर की है। पुलिस चौकी दशरंगपुर से मिली जानकारी अनुसार कवर्धा के एक गैरेज के ट्रक ने सबसे पहले एक कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इसके

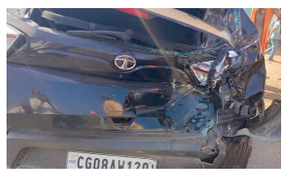

बाद सड़क पार कर रहे मवेशियों को अपने चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक शराब के नशे में था। इस घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई व आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। भीड़ ने हाईवे पर जाम लगा दिया। दोनों ओर एक-एक किमी तक वाहनों की लाइन लग गई। मौके पर पिपरिया से अतिरिक्त बल भेजा गया। कार में बैठे लोग व ट्रक चालक को चोट नहीं आई है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

## खास - खबर

### नल घर के लीकेज संधारण कार्य

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम जलकार्य विभाग के अधिकारी द्वारा जानकारी के अनुसार सोमवार को शटडाउन लेकर नल घर के लीकेज संधारण हेतु 5 फरवरी को वार्ड क्रमांक 49 से लेकर 54 तक द्वितीय पाली में पानी सप्लाई नहीं होगा।शटडाउन की वजह से सोमवार द्वितीय पाली ( शाम ) को शहर के करीब 6 वार्डों में नल नहीं खुलेंगे।नगर निगम प्रशासन द्वारा सोमवार सुबह शहर के सभी वार्डों में पानी सप्लाई किया जाएगा। सुबह पाली में पेयजल आपूर्ति के बाद निगम प्रशासन द्वारा नल घर मे मरम्मत के लिए शटडाउन लिया। इसकी सूचना निगम प्रशासन द्वारा एक दिन पहले लोगो को दी जा रही है ताकि पानी स्टोर के रख ले।क्रमांक- 49,50,51,52,53 एवं 54 में द्वितीय पाली में पेयजल सप्लाई का काम प्रभावित रहेगा। इस असुविधा के लिए खेद जताते हुए महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर और जलकार्य प्रभारी संजय कोहले ने प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों से भी अपील की है कि पानी सप्लाई प्रभावित होने के दिनों में इससे पूर्व आवश्यक कार्य के लिए पानी को स्टोर करके रख ले। ओर दूसरे दिन प्रभावित वार्डों में मंगलवार की सुबह जलप्रदाय सामान्य हो जाएगा।

### निगम ने लंबित राशि की मांग के लिए शासन को लिखा पत्र

**भिलाई।** भिलाई निगम ने शासन स्तर पर लंबित अपनी राशि की मांग के लिए आयुक्त ने पत्र लिखा है और निगम की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए क्षेत्र के बडे बकायादारो के विरुद्ध कार्रवाई के दिए है निर्देश निगम प्रशासन मोबाइल टावर को सील बंद करने को तैयार है वही सम्पत्तिकर के 33 बकायादारों के विरुद्ध कुर्की वारंट भी जारी कर रहा है निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने शासन स्तर पर लंबित मुद्रांक शुल्क , बार लाइसेंस राशि चुँगी क्षतिपूर्ति की राशि के मांग के लिए नगरीय प्रशासन विभाग को पत्र लिखा है तथा शासन के सक्षम प्राधिकारी से इस विषय में चर्चा कर शीघ्र आवंटन का अनुरोध भी किये है । शासन से राशि प्राप्त होते ही स्थापन मद वेतन-भत्ते , प्लेसमेंट कर्मचारियों का वेतन भुगतान किया जाएगा। बता दे कि आयुक्त ध्रुव निगम की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने निगम क्षेत्र के भवनों का पुनर्मुल्यांकन कर संपत्ति का निर्धारण करते हुए शत् प्रतिशत टेक्स की वसूली का निर्देश निगम के कर वसूली ठेका प्राप्त एजेंसी एस पी एस को दिए हैं । लोग समय पर सम्पत्तिकर का भुगतान करे इस हेतु संपूर्ण क्षेत्र में मुनादी करवाया जा रहा है।

### मानस गान प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए राजस्व मंत्री वर्मा

**दुर्ग।** प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा आज जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम बोरिद में आयोजित मानस गान प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत किये। उन्होंने यहाँ पर 50 लाख रुपये लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन, कुर्मी भवन और पंचायत भवन का लोकार्पण किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री वर्मा ने कहा कि हक छिनने की बात महाभारत में तो सम्पत्ति वितरण की बात रामायण में है। कथा सुनने की बजाय कथा की बाते को जीवन में आत्मसात करें।

### 161 झांकियों के साथ निकलेंगे महादेव, बैठक में तय हुई रणनीति

# भिलाई में इस बार और भी भव्य होगी 'भोले बाबा की बारात'

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** हर साल महाशिवरात्रि को भिलाई में निकलने वाल भोलेबाबा की बारात की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बोल-बम सेवा एवं कल्याण समिति के संस्थापक व अध्यक्ष दया सिंह ने इसकी तैयारियां रविवार को खुर्सीपार में हनुमान चालीसा का पाठ कर शुरू की। दया सिंह ने तैयारियों को लेकर मंदिर परिसर में कार्यकर्ता व सेवादारों की बैठक बुलाई। बैठक में भोले बाबा की बारात की तैयारियों को लेकर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से मुकेश शर्मा, प्रमोद सिंह, विजेंद्र मिश्रा, राकेश प्रसाद, प्रशांत कुमार, विनोद गुप्ता, प्रकाश सिंह, संतोष चौहान, गौरव, यशवंत यादव, विनय मानिकपुरी, प्रदीप सोनी, प्रभा कुशवाहा, मंजू मिश्रा, लक्ष्मी, पुष्पा सिंह, विजयंती कौर, सरस्वती साहू, ईश्वरी चंद्राकर, माया मानिकपुरी, सुशीला सहित अन्य शामिल थे। बता दें भिलाई में भोलेबाबा की बारात का यह 16 वां वर्ष है। साल दर साल बारात को भव्य बनाते हुए अब तक कई रिकार्ड कायम किए हैं। बोल-बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ता व सेवादार महादेव के वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होते हैं। भिलाई को बाबा मय बनाने में दया सिंह ने अब तक कोई कोर कसर नहीं छोड़ी हैं।

हर साल की तरह समिति इस बार कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए बहुत कुछ खास करने वाली है। बैठक में इस बारे में भी चर्चा हुई कि किस प्रकार वार्ड के हर एक व्यक्ति तक बाबा की बारात का कार्ड पहुंचाया जाएगा। बैठक में इस बात पर ध्यान दिया गया कि अन्य प्रदेशों की भी मशहूर झांकियां को बाबा की बारात में शामिल किया जाए।

#### 8 फरवरी को इंदिरा नगर हथखोज से निकलेगी बाबा की बारात

समिति के अध्यक्ष दया सिंह ने बताया कि, इस बार भी बाबा भोलेनाथ और माता पार्वती की बारात 8 फरवरी को इंदिरा नगर हथखोज से बाबा की भव्य बारात निकाली जाएगी। बारात में भजन सम्राट दुकालू यादव द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। इस बार बाबा की बारात में छह प्रदेशों की विशाल झांकियां भी देखने को मिलेगी। भगवान भोलेनाथ को दूल्हे के रूप में जनमानस दर्शन प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा समुद्र मंथन करने की झांकी, लक्ष्मण जी की मूर्छित झांकी भी शामिल रहेगी। आंध्रप्रदेश के दल के 51 सदस्यों द्वारा बाबा भोलेनाथ के कोया नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

#### भोले बाबा की बारात में यह रहेगा खास

- बाबा भोलेनाथ की नीलकंठ स्वरूप की झांकी
- देव-दानव, नर-नारी, रिछ वानर की झांकी
- राजस्थान के कलाकारों की रंगारंग आतिशबाजी
- देश के अलग-अलग जिलों के 161 झांकियां।
- राउत नाचा, पंथी नाचा सुआ गीत अन्य यूपी का अखाड़ा प्रमुख रहेगा।
- छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के कल्चर को भी झांकियां द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा
- राम रावण, विभीषण, अंगद, नंदी बाबा की भी झांकी नजर आएगी।

# महतारी वंदन एवं केंद्र सरकार की योजनाओं के लिए वार्डवार शिविर, आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के कवरेज को बढ़ावा देने एवं हितग्राहियों में जागरूकता लाने विकसित भारत संकल्प यात्रा 2.0 के सफल कियान्वयन हेतु आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण योजना महतारी वंदन योजना के तैयारियों के संबंध में नोडल अधिकारी मोहेंद्र साहू व सहायक नोडल अधिकारी दिनेश नेताम को शिविर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रदेश में महतारी वंदन योजना लागू किया गया है।सोमवार को शहर के वार्डो ने तिथिवार शिविर का आयोजन में ऑनलाईन व ऑफ्लाईन आवेदनों का पंजीयन कार्य 5 फरवरी दिन सोमवार को क्रमांक 56 सामुदायिक भवन बघेरा में समय सुबह 8 बजे से लेकर 12 तक एवं वार्ड क्रमांक 21 शहीद भगत सिंग उ.मा. वि.में दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक का शिविर का आयोजन किया जाएगा।इसके अलावा 6 फरवरी 2024 को वार्ड क्रमांक 46 जनता मार्केट व वार्ड क्रमांक 52 महावीर खेल मैदान में किया जाएगा।यह योजना 01 मार्च 2024 से लागू होगा।

ऑनलाईन व ऑफ्लाईन आवेदनों का पंजीयन 5 फरवरी से प्रारंभ आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 फरवरी निर्धारित किया गया है। उन्होंने समय सीमा को ध्यान रखने के निर्देश दिए। कोई भी पात्र महिला इस योजना का लाभ लेने से न छूटे इसका विशेष ध्यान रखें।

इसके अलावा वार्ड में जोनवार अधिकारी/ कर्मचारियो की ड्यूटी लगाकर उनको भी जिम्मेदारी दी गई है।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से

#### वार्ड शिविर स्थल पर हितग्राही अपने साथ ये जरुरी दस्तावेज आवश्यक लेकर आये

महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए स्व सत्यापित स्वयं की पासपोर्ट साईज फेटो, स्थानीय निवासी के संबंध में निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र दस्तावेज,स्वयं का एवं पति का आधार कार्ड, यदि हो तो स्वयं का एवं पति का पैन कार्ड, विवाह का प्रमाण पत्र, व स्थानीय निकायों द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी।विधवा होने की स्थिति में पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, परित्यक्ता होने की स्थिति में समाज द्वारा जारी, वार्ड द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। जन्म प्रमाण पत्र कक्षा 10 वीं या 12वीं की अंकसूची या स्थानांतरण प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस से कोई एक प्रस्तुत करना होगा।पात्र हितग्राही का बैंक खाते का विवरण एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति तथा स्व-घोषणा पत्र, शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा।बता दें कि महतारी वंदन के लिए वार्डवार के शिविर में पांच फरवरी से लेकर 10 फरवरी तक लिया जाएगा।इसके अतिरिक्त महतारी वंदन योजना के लिए वार्ड के आंगनबाड़ी केंद्रों एवम नगर निगम दुर्ग में आवेदन निरंतर लिए जाएंगे।

शासन की कल्याणकारी योजना के अंतर्गत आधार कार्ड अपडेशन, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर 5 फरवरी से 7 फरवरी तक आयोजित शिविर को स्थगित कर 5 फरवरी से 10 फरवरी को होने वाले इस शिविर में शामिल किया गया है।

# शारदा राजपूत की तृतीय पुण्य तिथि पर सामाजिक सन्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त सत्येंद्र राजपूत ने अपनी पत्नी श्रीमती शारदा राजपूत की तृतीय पुण्य तिथि पर सामाजिक सन्देश देते हुए श्रीमती शारदा राजपूत को श्रद्धांजलि दी। सर्वप्रथम परिवार के सदस्य सेक्टर 9 हॉस्पिटल पहुंचे व् ब्लड बैंक में जरूरत मंद मरीजों के लिए सत्येन्द्र राजपूत, आर्यन राजपूत, ज्योति राजपूत व आयुष राजपूत ने अपना रक्तदान कर सामाजिक दायित्व निभाया। स्मृति को यादगार बनाने शहर के स्वयं सेवी संगठन नवदृष्टी फाउंडेशन जो नेत्र दान,देहदान, रक्तदान के क्षेत्र में बेहतर जनसहयोग कार्य हेतु 11 हजार, भूखे आगंतुकों को प्रतिदिन भोजन करने वाले संस्था जनसमर्पण सेवा संस्थान को 11 हजार एवम राजपूत समाज में आदर्श सामूहिक विवाह के लिए 11हजार की राशि सहयोग बतौर समाजसेवी सत्येन्द्र राजपूत द्वारा प्रदान किया गया। इसके साथ सभी आमंत्रितों की फ्लदार गमले में लगे पौधे दिए गए ताकि पौधों में शारदा राजपूत की स्मृति में रहें। राज आढ़तिया ने कहा राजपूत परिवार सदा ही समाज सेवा हेतु उपलब्ध रहता है परिवार के सभी सदस्य रेगुलर रक्तदान करते हैं, श्री सत्येंद्र राजपूत के पिता श्री बंसी सिंह ठाकुर के निधन के अशांत नेत्रदान कर लोगों को नेत्रदान हेतु सन्देश दे चुके हैं । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजपूत समाज से महासभा अध्यक्ष बजरंग बेस, रमेश ठाकुर कमलेश राजपूत, माधो सिंह, दशरथ सिंह, संतोष सिंह, संजय सिंह, से योगेंद्र शर्मा बंटी सहित परिवार व् समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

# मैत्रीबाग में फ्लावर शो देखने उमड़े हजारों लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** मैत्री बाग भिलाई में रविवार को भिलाई इस्पात संयंत्र के उद्यानिकी विभाग द्वारा फ्लावर शो का आयोजन किया गया। इस दौरान मैत्री बाग में रंग बिरंगे फूलों की सजावट के साथ ही आकर्षक कलाकृतियां बनाई गई। मैत्री बाग पहुंचे प्रकृति प्रेमी और पर्यटकों के लिए उत्साह का माहौल रहा। फ्लावर शो के बीच पर्यटक फूलों से बने मनमोहक कलाकृतियों के साथ सेल्फी खींचते दिखे। वहीं इस दौरान सलाद की भी आकर्षक डिजाइन देखने को मिली। फ्लावर शो के मुख्य अतिथि संयंत्र के निर्देशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने फ्लावर शों में लगाये गये स्टाल एवं रंगोली तथा बेहद आकर्षक

रूप वाले सजावटों का ईडी वर्क्स अंजनि कुमार, ईडी विपिन कुमार गिरी, अशोक पंडा, ईडी पीएंडए पवन कुमार, विजय शर्मा, दिनेश कुमार, विजय पाठक, शिखा दुबे, सुजाता

भगत, आर के साहू, अमरेश कुमार, यशवंत साहू के साथ अवलोकन किया और इस दौरान पानी में बनाये गये श्री डी रंगोली के साथ ही अत्यधिक लंबाईवाली लगभग आठ किलो की लौकी, के अलावा बडे आकार का जिमी कांदा, रामफल के साथ ही बडे आकार वाले कई प्रकार के फूलों की जमकर सराहना की। अनिर्बानदास गुप्ता ने कहा कि फ्लावर शो में दिन प्रतिदिन बढती जनभागीदार फ्लावर शों की सफ्लता को रेखांकित करती है कि प्राकृति और पर्यावरण के प्रति लोगों का प्रेम बढा है, साथ ही लोग प्राकृति, पर्यावरण संरक्षण जैसे अन्य विषयों पर गंभीर हो गये है आज और आज के इस फ्लावर शों की सफ्लता भी इस बात का द्योतक है जिसे आगे बढने के लिए भिलाई बिरादरी कृतसंकल्पित है। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों द्वारा फ्लावर शो के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें पल्लवी रजत, बारामाते को विनर ऑफ द शों एवं रवि बंसोड को रनर ऑफ द शो घोषित किया गया। इसके अतिरिक्त बडी संख्या में सांत्वना पुरस्कार भी अतिथियों द्वारा वितरित किया गया। इस दौरान आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में सेक्टर 10 हायर सेकण्डरी स्कूल के छात्राओं द्वारा जहां स्वागत गान, भिलाई विद्यालय की छात्राओं द्वारा बेहद ही मनमोक छत्तीसगढी डांस, खुर्सीपार बीएसपी स्कूल की छात्राओ द्वारा छत्तीसगढी नृत्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि एवं उपस्थितजन समुदाय ने इसे काफी सराहा और कार्यक्रमों का जमकर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम का संचालन सुप्रियो सेन ने किया। आयोजित कार्यक्रम के निर्णायकों की भूमिका में सुजाता भगत, सुरजीत मलिक, यशवंत साहू, सुमिता सरकार, सरोज झा, पी पी राय, नितिन कनिकदले, राजेश शर्मा, उमाशंकर राव की उल्लेखनीय योगदान रहा।

इस अवसर पर ईडी वर्क्स अंजनि कुमार, ईडी विपिन कुमार गिरी, अशोक पंडा, ईडी पीएंडए पवन कुमार, विजय शर्मा, दिनेश कुमार, विजय पाठक, शिखा दुबे, सुजाता भगत, आर के साहू, अमरेश कुमार, यशवंत साहू, जनसंपर्क विभाग के महाप्रबंधक प्रशांत तिवारी, बीएसपी प्रवर्तन विभाग के बलराम शुक्ला, जनसंपर्क विभाग के तरसेम सिंह, कांग्रेस नेत्री श्रीमती गुरमीत धनई, भाजपा नेता दुर्गा सेंगर, मनोज ठाकरे सहित बडी संख्या में प्रबंधन के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में एन के जैन, पी पी राय, ए के बंजारा, एस के गुप्ता, उद्यानिकी विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारियों के अलावा हजारों दर्शक उपस्थित थे।

# सड़क सुरक्षा माह के 22वें दिन स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए रंगोली एवं पेटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सड़क सुरक्षा माह के 22वे दिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग रामगोपाल गर्ग के निर्देश एवं सतीष ठाकुर, संदानंद विध्यराज उप पुलिस अधीक्षक, यातायात के नेतृत्व मे चलाये जा रहे यातायात जागरूकता कार्यक्रम के तहत दिनांक को स्कूल छात्र-छात्राओं के लिए यातायात नियम संबंधित रंगोली एवं पेटिंग का आयोजन शहीद पार्क सेक्टर 05 भिलाई में किया गया।

आज के इस रंगोली एवं पेटिंग प्रतियोगिता में 21 विद्यालय के 197 विद्यार्थी सम्मलित हुए जिसमें रंगोली में 25 एवं पेटिंग में 172 विद्यार्थी प्रतिभागी बने उक्त प्रतिभागियों द्वारा यातायात नियमों एवं सडक दुर्घटनाओं के कारणों को रेखांकित करते हुए रंगोली एवं पेटिंग बनाया गया उक्त प्रतियोगिता के दौरान बच्चो के उत्सावर्धन हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग सहपरिवार आज के इस प्रतियोगिता कार्यक्रम में उपस्थित हुए। प्रतियोगिता में सम्मलित होने वाले प्रथम पांच दोनो वर्गा कक्षा 6वी से 8वीं एवं 9वीं से 12वीं चयनित विद्यार्थियों को यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा सडक सुरक्षा माह के समापन कार्यक्रम 14 फरवरी 2024 को सम्मानित किया जावेगा एवं प्रतियोगिता में सम्मलित होने वाले समस्त प्रतिभागी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जावेगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ग्राम पीसेगांव में आयोजित लोक कला महोत्सव के दौरान ग्रामवासियो को संबोधन करते हुए सर्व प्रथम यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा सडक सुरक्षा के प्रति लोगो को जागरूक करने चलाये जा रहे सडक सुरक्षा माह से अवगत कराते हुए नाबालिक वाहन को चलाने न दे दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग करने बिना लायसेस न चलाने तथा सडक दुर्घटना के प्रमुख कारण शराब पीकर वाहन चलाने से होने वाली सडक दुर्घटना से अवगत कराते हुए माता एवं बहनो से अपील की गई की अपने घर में किसी को भी नशे की हालत में वाहन चलाने न दे इसी प्रकार हेलमेट की उपयोगिता बताते हुए दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने हेतु अपील की गई। सतीष ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा यातायात नियम का पालन करने एवं सडक दुर्घटना से होने वाले हानि के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा अपने जीवन में अमल करने व अपने दोस्त, परिवार, रिश्तेदार और अपने परिजन है उनको हेलमेट/सील्ट बेल्ट लगाने तथा यातायात नियम का पालन करने हेतु समझाया गया। इसके साथ साथ उप निरीक्षक संकल्प राय के द्वारा साईबर अपराध के संबंध में जानकारी देते हुए साईबद ठगी से बचने हेतु सुझाव दिया गया।

आज के इस कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक सतीष ठाकुर, विध्यरांज, यातायात जोन प्रभारी दुर्ग यशकरण ध्रुवे, थाना प्रभारी पुलगांव उप निरीक्षक संकल्प राय तथा यातायात के कर्मचारी उपस्थित रहें।

# एक मार्च से शुरू होगी महतारी वंदन योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश में महतारी वंदन योजना 01 मार्च 2024 से संपूर्ण छत्तीसगढ़ में लागू होगा। योजना के अंतर्गत ऐसी श्रेणी की महिला पात्र होंगी जो विवाहित महिला छत्तीसगढ़ राज्य की स्थानीय निवासी हो, आवेदन के कलेण्डर वर्ष अर्थात् जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा है।

उस वर्ष की 01 जनवरी को विवाहित महिला की आयु 21 वर्ष से कम न हो, विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता महिला भी इस योजना के लिए पात्र होंगी। इस योजना के तहत पात्र महिला को रूपये 1000 रूपए प्रतिमाह का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। सामाजिक सहायता कार्यक्रम/विभिन्न पेंशन योजनाओं से पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं को 1000 रूपए से कम पेंशन राशि प्राप्त होने से शेष अंतर की राशि का भुगतान किया जाएगा। आवेदन पत्र 05 फरवरी 2024 से नि:शुल्क ग्राम पंचायत/ वार्ड कार्यालय/ आंगनबाड़ी केन्द्र/परियोजना कार्यालय में तथा जिले द्वारा आयोजित विशेष कैम्प में उपलब्ध होंगे। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज जैसे - स्व सत्यापित स्वयं की पासपोर्ट साईज फोटो, स्थानीय निवासी के संबंध में दस्तावेज (निवास प्रमाण-पत्र/राशन कार्ड/मतदाता पहचान पत्र), स्वयं का एवं पति का आधार कार्ड, स्वयं का एवं पति का पैन कार्ड (यदि हो तो), विवाह का प्रमाण पत्र/ ग्राम पंचायत व स्थानीय निकायों द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र, विधवा होने की स्थिति में पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, परित्यक्ता होने की स्थिति में समाज द्वारा जारी/वार्ड/ग्राम पंचायत द्वारा जारी प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र कक्षा 10वीं या 12वीं की अंकसूची/स्थानांतरण प्रमाण पत्र/पैन कार्ड/मतदाता परिचय-पत्र/ड्राइविंग लाइसेंस (कोई एक), पात्र हितग्राहियों का बैंक खाते का विवरण एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति एवं स्व-घोषणा पत्र/शपथ-पत्र (आवेदन के साथ संलग्न) अनिवार्य रूप से जमा करना अनिवार्य होगा।

आवेदन करने लिए ऑनलाईन पोर्टल तथा मोबाईल एप द्वारा आवेदन आंगनबाड़ी केन्द्र से, ग्राम पंचायत, बाल विकास परियोजना कार्यालय, नगरीय क्षेत्रों में आने वाले वार्डों में एवं आवेदक स्वयं पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। महतारी वंदन योजना की विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग/एकीकृत बाल विकास परियोजना/आंगनबाड़ी केन्द्रों से सम्पर्क कर सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950